राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सामंथा और विजय देवरकोंडा...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 11 अप्रैल 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 110 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

हमारा कश्मीर

स्विट्जरलैंड से भी अच्छा

गडकरी का ऐलान, जम्मू कश्मीर के सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को अमेरिका के बराबर बनाएंगे

श्रीनगर। सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी आज जम्मू कश्मीर में हैं। जम्मू कश्मीर में चल रहे विभिन्न परियोजनाओं का आज उन्होंने निरीक्षण किया। वे सबसे पहले जोजिला टनल देखने पहुंचे थे। शाम में उन्होंने मीडिया को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम जम्मू कश्मीर की सड़कों को अमेरिका के बराबर बनाने जा रहे हैं। अपने बयान में गडकरी ने कहा कि अगले 3–4 साल में जम्मू–कश्मीर के सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को अमेरिका के बराबर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि

हम इतना अच्छा सड़क नेटवर्क बनाएंगे, इस काम को लेकर हम कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही गडकरी ने कहा कि भारत और दुनिया भर से लोग स्विट्जरलैंड जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा कश्मीर स्विट्जरलैंड से भी अच्छा है। उपराज्यपाल जी ने 13.5 एकड़ जगह की पहचानकर कर दी है। हम बहुत जगहों पर सड़क किनारे सुविधाएं, हैंडलूम, हस्तकला, पश्मीना का मार्केट हो उसके लिए दुकानें डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अधिकारियों को अधिक से अधिक स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की बात कही है। जोजिला टनल के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने बताया कि 38 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। सोनमर्ग में बन रहे जोजिला सुरंग को लेकर गडकरी ने कहा कि एक साल के अभ्यास, परामर्श और शोध के बाद हमने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया।

आतंकवादियों से जुड़े हो सकते हैं केरल ट्रेन अग्निकांड के तार

एनआईए ने जताई आशंका, आरोपी की हिस्ट्री जुटाने में लगी पुलिस

कोझिकोड। केरल में 2 अप्रैल को अलप्पुझा–कन्नूर एक्सप्रेस से दिल्ली के एक शख्स द्वारा की गई आगजनी की घटना में ट्रेन से कूदकर तीन यात्रियों की मौत हो गई हो। आरोपी पर आरोप है कि मामूली कहा–सुनी में शख्स ने अपने सहयात्री को आग लगा दी। आग ट्रेन में फैल गयी और कुछ यात्री अपनी जान बचाने के लिए ट्रेन से कूदे और उनकी जान चली गयी। इस घटना को व्यापक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है।एनआईए ने इस मामले को अपने हाथ में लिया और गृह मंत्रालय को भेजी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा इस मामले पर अच्छे से जांच करने की जरुरत हैं क्योंकि जांच एजेंसी को शक है कि यह घटना आतंक से जुड़ी हो सकती हैं। गृह मंत्रालय द्वारा एजेंसी की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर एनआईए द्वारा मामले को अपने हाथ में लेने पर विचार किए जाने की उम्मीद है। केरल पुलिस की एसआईटी द्वारा जांच

पर नजर रखने वाली एनआईए और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का मानना घ्है कि दिल्ली के शाहीन बाग निवासी शाहरुख सैफी, जिसे पिछले सप्ताह महाराष्ट्र में गिरफ्तार किया गया था, में आगजनी की प्रकृति से पता चलता है कि ट्रेन के पूरे डी1 डिब्बे में आग लगाने की योजना थी। आग से बचने के प्रयास में मरने वालों में दो साल की एक बच्ची भी शामिल थी, जबकि नौ अन्य लोग भी झुलस गए थे। एनआईए की रिपोर्ट बताती है कि हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए शाहरुख के दिल्ली और नोएडा में संपर्कों की जांच करने की जरूरत है और यह भी कि क्या उसके किसी कट्टरपंथी संगठन से संबंध थे। एसआईटी अधिकारी दिल्ली और नोएडा में सैफी के परिचितों के बारे में जानकारी जुटाने के लिए दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के साथ संपर्क कर रहे हैं।उनके कॉल रिकॉर्ड का विश्लेषण कर रहे हैं। उनके दोस्तों से पूछताछ कर रहे हैं और उनके घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज की जांच कर रहे हैं। कोच्चि और चेन्नई के अधिकारियों वाली एक एनआईए टीम केरल सरकार द्वारा एसआईटी जांच के आदेश के साथ आगजनी का विवरण एकत्र कर रही है। एजेंसी की राज्य इकाई के डीआईजी पिछले सप्ताह जायजा लेने के लिए कोझिकोड में थे। एनआईए की एक टीम ने ट्रेन के उस डिब्बे की जांच की जिसमें आगजनी हुई थी। शाहरुख ने एक ज्वलनशील पदार्थ छिड़कने और आग लगाने करने की बात कबूल की, और जोर देकर कहा कि वह हमले को अंजाम देने वाला अकेला था। एसआईटी अधिकारियों को संदेह है कि वह जानकारी छुपा रहा है। 2 अप्रैल की सुबह संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से कोझिकोड पहुंचने के तुरंत बाद, शोरानूर में बिताए 14 घंटे के दौरान सैफी की गतिविधियों और गतिविधियों पर जांच अब केंद्रित है। एसआईटी ने शोरनूर में ईंधन स्टेशन से सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। जहां सैफी ने पेट्रोल खरीदा था। पुलिस ने उसे वहां ले जाने वाले ऑटो के चालक का भी पता लगा लिया है।

राहुल पर जगदीप धनखड़ का निशाना!

बोले:जब भी देश से बाहर जाएं, राजनीतिक चश्मे को यहीं छोड़ दें

नयी दिल्ली। लंदन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा भारत के लोकतंत्र को लेकर दिए गए बयान के बाद जबरदस्त हंगामा मचा था। सत्तारूढ़ भाजपा ने साफ तौर पर राहुल गांधी से माफी की मांग की थी। साथ ही साथ राहुल गांधी पर देश को विदेशों में बदनाम करने का आरोप लगा दिया था। इस मुद्दे को लेकर संसद में भी जबरदस्त हंगामा हुआ। इन सबके बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का भी बयान आया है। जगदीप धनखड़ ने साफ तौर पर कहा कि विदेश यात्रा पर जाते समय लोगों

को अपना राजनीतिक चश्मा देश में ही छोड़ देना चाहिए। हालांकि, जगदीप धनखड़ ने किसी का नाम नहीं लिया। लेकिन माना जा रहा है कि उनकी यह टिप्पणी राहुल गांधी के ब्रिटेन यात्रा को लेकर उठे विवाद की ओर इशारा करता है। दरअसल, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ विश्व होम्योपैथी दिवस पर आयोजित एक समारोह में शामिल हो रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि जब भी हम देश से बाहर जाते हैं, हमें अपना राजनीतिक चश्मा देश में ही छोड़ देना चाहिए। यह देश के साथ–साथ व्यक्ति विशेष के लिए भी फायदेमंद होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत 2047 में अपनी आजादी की शताब्दी की नींव रख रहा है, ऐसे में देश की गरिमा पर हमला करने की हर कोशिश को कुंद किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने एक सवाल भी किया। उन्होंने कहा कि क्या आपने कभी इस महान लोकतंत्र की यात्रा पर आए किसी विदेशी गणमान्य व्यक्ति या विदेशी नागरिक को अपने देश की निंदा करते या उसकी आलोचना करते हुए देखा है? जवाब स्पष्ट तौर पर नहीं है। धनखड़ ने कहा कि हम अपने वैज्ञानिकों, स्वास्थ्य योद्धाओं पर गर्व क्यों नहीं कर सकते और हमारे नवाचार की सराहना क्यों नहीं कर सकते?

शाइस्ता परवीन का टिकट कटा, मायावती की दो टूक– अतीक के परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं देंगे टिकट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव का ऐलान हो चुका है। इसको लेकर राजनीतिक दल अपनी तैयारियां भी कर रहे हैं। प्रयागराज के चर्चा जबरदस्त तरीके से जारी है। प्रयागराज नगर निगम चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने यहां से माफिया अतीक अहमद की फरार पत्नी शाइस्ता परवीन को टिकट दिया था। लेकिन उमेश पाल हत्याकांड मामले में उनके नाम आने के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने आज अतीक अहमद की पत्नी का टिकट ही काट दिया है। इसको लेकर मायावती ने बकायदा मीडिया में एक वक्तव्य जारी किया है। मायावती ने कहा कि प्रयागराज में हुई उमेश पाल की हत्या को लेकर जो तथ्य सामने आए हैं और इस घटना में अतीक की

पत्नी का नाम आते ही व उसके फरार होने पर स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में हमारी पार्टी न अतीक की पत्नी और न ही उनके परिवार के अन्य सदस्य को वहां मेयर का टिकट नहीं देगी। आपको बता दें कि उमेश पाल हत्याकांड मामले में शाइस्ता परवीन 50000 रुपये की इनामी है जिसे लगातार उत्तर प्रदेश की पुलिस तलाश कर रही है। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नगर निकाय चुनावों की घोषणा का स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार और संबंधित अधिकारियों से अपील है कि वह चुनाव म्टड से न कराकर बैलट पेपर से कराएं। ठैच ने इन चुनावों को पूरी तैयार और दमदारी से लड़ेगी। उत्तर प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयोग ने रविवार को राज्य में नगरीय निकायों के चुनाव की अधिसूचना जारी करते हुये राज्य चुनाव आयुक्त मनोज कुमार ने रविवार को यहां पत्रकारों को बताया कि चुनाव दो चरणों में चार मई तथा 11 मई को होगा जबकि 13 मई को मतों की गिनती की होगी।

नालंदा और सासाराम हिंसा पर बोले तेजस्वी यादव, बिहार में जानबूझकर माहौल खराब करना चाहती है बीजेपी

पटना। बिहार के 2 जिले नालंदा और रोहतास में रामनवमी के दौरान हिंसा देखने को मिली थी। कई दिनों तक यहां पुलिस की सक्रियता देखी गई। वर्तमान में भी वहां सख्ती मौजूद है। इन सबके बीच बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का बयान सामने आया है। तेजस्वी

यादव ने साफ तौर पर कहा है कि भाजपा बिहार का माहौल खराब करना चाहती है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि जब से हिंसा हुई है तब से सभी चीजों पर लगातार नजर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने माहौल को कंट्रोल किया है क्योंकि योजना तो बहुत बड़ी थी इससे पहले भी तमिलनाडु वाला प्लान क्या था वहां पर किस हिसाब से माहौल बन गया था ये तो बीजेपी बिहार में जानबूझकर माहौल खराब करना चाहती है। इससे पहले तेजस्वी यादव ने कहा था कि सासाराम और बिहारशरीफ में हिंसा करने वालों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा था कि बिहार को टारगेट किया जा रहा है, पहले बिहार को तमिलनाडू से लड़ाने का प्रयास किया गया, उसमें असफल होने पर दंगे कराए गए.. हिंसा में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

गुलाम नबी आजाद पर कांग्रेस का वार

जयराम रमेश बोले- दिखा रहे अपना असली चरित्र और मोदी के प्रति वफादारी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद इन दिनों चर्चा में बने हुए है। इसके साथ ही वह प्रधाननमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी कर रहे है। यह बात कांग्रेस को रास नहीं आ रही है। हालांकि, आजाद ने कांग्रेस पर भी कई सावल खड़े किए थे। अब इसी को लेकर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस की ओर ये पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि हर बीतते दिन के साथ, गुलाम नबी आजाद अपने असली चरित्र और श्री मोदी के प्रति अपनी वफादारी का प्रदर्शन करने

के लिए नई गहराई तक उतरते हैं। इसके साथ ही रमेश ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व पर उनके तिरस्कारपूर्ण बयान प्रासंगिक बने रहने की उनकी हताशा को दर्शाते हैं। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि वह दयनीय है। दरअसल, देश में अडानी मामले को लेकर चर्चा लगातार जारी है। कांग्रेस पूरे मसले पर नरेंद्र मोदी पर निशाना साथ रही है। इसी कड़ी में गुलाम नबी आजाद ने कहा कि राहुल विदेश जाते हैं और श्अवांछनीय व्यवसायियोंश से मिलते हैं। उन्होंने कहा कि परिवार के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। मैं परिवार के खिलाफ कुछ भी नहीं बोलना चाहता। अन्यथा, मैं उदाहरण देता कि वह देश के बाहर भी कहां जाते और अवांछित व्यापारियों से मिलते हैं। इसको लेकर भाजपा कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। भाजपा के रविशंकर प्रसाद ने कहा कि गुलाम नबी आजाद जी ने एक बहुत ही गंभीर आरोप लगाया है कि– राहुल गांधी जी जब भी विदेश दौरे पर जाते हैं तो कई श्अवांछित व्यापारियोंश से मिलते हैं और उनके कई व्यापारिक घरानों से संबंध हैं। अब देश यह जानना चाहता है कि अपने विदेश दौरों पर राहुल गांधी किस से मिलते हैं? उन्होंने कहा कि कौन हैं ये श्अवांछित व्यापारीश और इनके क्या हित जुड़े हैं? क्या राहुल गांधी भारत विरोधी व्यापारियों के इशारे पर भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं और मोदी जी के खिलाफ काम कर रहे हैं?

दिल्ली में हिंदू राष्ट्र पंचायत के आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज

नयी दिल्ली। उत्तर–पूर्वी दिल्ली में बिना अनुमति के हिंदू राष्ट्र पंचायत करने के मामले में उसके आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उत्तर–पूर्वी दिल्ली में 2020 में

सांप्रदायिक दंगे हुए थे। पंचायत का आयोजन रविवार को किया गया जिसमें उत्तर–पूर्वी दिल्ली को देश का पहला हिंदू राष्ट्र जिला बनाने और इसके निवासियों से अल्पसंख्यकों को अपनी संपत्ति बेचने या किराए पर नहीं देने का आह्वान किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत प्रख्यापित आदेश की अवज्ञा) के तहम मामला दर्ज किया गया है क्योंकि उन्होंने पंचायत करने के लिए अनुमति नहीं ली थी। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जांच में तथ्य सामने आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और हिंदू यूनाइटेड फ्रंट के प्रमुख जयभगवान गोयल ने उत्तर–पूर्वी दिल्ली में पंचायत का आयोजन किया।

देश के 2 जासूस किसी पर भरोसा नहीं करते, पवन खेड़ा ने लगाया मोदी सरकार पर 986 करोड़ में जासूसी सॉफ्टवेयर कॉग्नीटे खरीदने का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि केंद्र सरकार घ986 करोड़ की कीमत पर पेगासस–प्रकार का जासूसी सॉफ्टवेयर श्कॉग्नीटेश खरीदने की कोशिश कर रही है, और आरोप लगाया कि इसका इस्तेमाल राजनेताओं, मीडिया, कार्यकर्ताओं और गैर सरकारी संगठनों पर जासूसी करने के लिए किया जाएगा। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ष्चूंकि पेगासस बदनाम हो गया है, इसलिए श्मिनिमम गवर्नेंस–मैक्सिमम सर्विलांसश वाली सरकार बाजार में एक नए स्पाईवेयर की तलाश कर रही है। खेड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा कि मैं समझता हूं कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष से नफरत करता है लेकिन उन्होंने अपने मंत्रियों पर जासूसी सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इस देश के श्2 जासूसश किसी पर भरोसा

नहीं करते, यहां तक घ्धकि कानून और मीडिया पर भी नहीं। इसलिए वे करदाताओं के करोड़ों रुपये जासूसी सॉफ्टवेयर और इजरायली तकनीक खरीदने में खर्च कर रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि बादशाह को डर है कि कहीं हमारी एक सच्चाई से उनके झूठ का खोखला महल ढह न जाए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष, पत्रकारों, न्यायपालिका, नागरिकों और यहां तक घ्धकि अपने मंत्रियों की जासूसी करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करती है। खेड़ा ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कितने लोग कॉग्नाइट के बारे में नहीं जानते थे लेकिन यह पेगासस के समान काम करता था और मीडिया के बीच कम चर्चा में था। हालांकि, एक अमेरिकी कानूनी फर्म ने कहा कि कॉग्नाइट ष्पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और उनके परिवारों को नियमित रूप से निशाना बनाता है और उनके बारे में जानकारी प्रस्तुत करने के लिए अनैतिक तरीकों का उपयोग करता है,ष और कहा, ष्नॉर्वे सॉवरेन वेल्थ फंड ने अनियमितताओं के कारण कॉग्नाइट के शेयरों को डंप कर दिया था।ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सामने सवाल रखते हुए खेड़ा ने कहा, श्हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि किस मंत्रालय को इस कॉग्नाईट सॉफ्टवेयर को खरीदने का काम दिया गया है और इस पर कितना खर्च किया गया। हम उनसे यह भी आग्रह करते हैं कि वे हमें बताएं कि इस सॉफ्टवेयर को किस आधार पर अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसके बारे में बहुत कम जानकारी है।

माँ की ममता: जवान बेटे को किडनी देकर माँ ने बचाई बेटे की जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। सायरुन निशा हां यही नाम है एक विधवा लाचार बेबस मां का। उम्र यही कोई 48 वर्ष के आसपास होगी। एक साल से रोजाना 22 साल के जवान बेटे की खिदमत अंजाम दे रही है। आप कह सकते हैं एक मां का फर्ज है वो निभा रही है। बुजुर्गों ने सच कहा है कि दुनिया की सबसे महफूज जगह मां की गोद है। उन बेटे व बहुओं के मुंह पर तमाचा है जो अपने मां–बाप की कद्र नहीं करते। मां अपनी औलाद के लिए अपनी जान तक दे सकती है। इस समय में जब तमाम बेटे अपने मां–बाप की जान लेने पर तुले हों,मारपीट कर रहे हों, घर से निकाल रहे हों, इस युग के बेटों के लिए यह एक जबरदस्त मिसाल है। मां से बड़ा शुभचिंतक कोई अन्य नहीं हो सकता, वजीरगंज थाना क्षेत्र की एक मां ने इस कथन को सच साबित कर दिया है। इस मां ने न केवल बेटे को किडनी देकर उसकी जिंदगी बचाई, बल्कि दिन–रात उनकी सेवा करके नई पीढ़ी के लिए

उदाहरण पेश किया है। वजीरगंज थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर निवासी मोहम्मद नसीम लंबे समय से बीमार चल रहे थे। एक साल पहले उन्हें डाक्टरों ने किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी थी। लेकिन उस समय घर की माली हालत ठीक न होने से उन्होंने ट्रांसप्लांट नहीं कराया। कुछ महीने से उनकी हालत लगातार बिगड़ रही थी। इसके बाद भी पैसे की तंगी के चलते मोहम्मद नसीम किडनी ट्रांसप्लांट के लिए हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। इस बीच उनकी विधवा मां सायरुन निशा जो गृहणी हैं आगे आई। वह जिद करके बेटे को लखनऊ रेजीडेंसी हास्पिटल खुर्रमनगर रिंगरोड लखनऊ में दिखाने ले गई। जहां चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट बेहद जरुरी बताया। हाईब्लड प्रेशर के कारण खराब हो गई थी किडनी वजीरगंज थाना क्षेत्र के दुर्जनपुर निवासी मोहम्मद नसीम एक साल से बीमार चल रहे थे। डाक्टरों ने उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी। लेकिन पैसे की तंगी आड़े आ रही थी। इस बीच गांव के प्रधान मोहम्मद इलियास ने गांव के हिंदू और मुसलमान दोनों समुदायों के लोगों से चंदा इकठ्ठा किया और मोहम्मद नसीम की मां आगे आई। उन्होंने डाक्टरों के समक्ष प्रस्ताव रखा कि उनकी एक किडनी निकाल कर बेटे को लगा दें। मां की ममता देख डाक्टरों ने जरुरी जांचे शुरु कीं। मां का ब्लड ग्रुप भी बेटे से मैच कर गया। जिसके बाद बीते 25 मार्च को आपरेशन करके चिकित्सकों ने सायरुन निशा की एक किडनी उसके बेटे के शरीर में ट्रांसप्लांट कर दी। रेजीडेंसी हास्पिटल सीनियर ट्रांसप्लांट सर्जन डा० दीपक दीवान ने बताया कि गोंडा के दुर्जनपुर के मरीज मोहम्मद नसीम की जांच करने पर उनमें क्रानिक किडनी रोग पाया गया। उन्हें रीनल एलोग्राफ्ट ट्रांसप्लांट के लिए भर्ती किया गया। किडनी ट्रांसप्लांट की सर्जरी सफल रही। इस अस्पताल के वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ डा० दीपक दीवान, डा० आलोक पाण्डेय व डा0 राजीव ने कहा कि 22 साल के मोहम्मद नसीम की किडनी लगातार हाईब्लड प्रेशर के कारण खराब हो गई थी। जिसे ट्रांसप्लांट करना जरुरी हो गया था। अब दोनों की सेहत ठीक है। मां की छुट्टी कर दी गई है, बेटे को 11 अप्रैल को हास्पिटल से डिस्चार्ज किया जायेगा।

मां ने कहा बेटे से बड़ा कोई नहीं

मां सायरुन निशा पढ़ी–लिखी नहीं है। वह कहती है कि बेटा कोई गलती करे तो नाराज नही होना चाहिए बल्कि प्यार से उसे समझाना चाहिए, बेटे के सुख–दुख में साथ नहीं छोड़ना चाहिए। वैसे भी यदि हमारे खून देने व किडनी देने से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है तो अपनी जिंदगी दांव पर लगाई जा सकती है। एक साल पहले से ही मेरे बेटे की किडनी खराब थी, लेकिन वो नहीं बदलवा रहा था। अब वो एकदम ठीक हैं।

रूधौली पुलिस ने किया बैंको का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार थाना रूधौली मय हमराह

द्वारा थाना क्षेत्र के एसबीआई बैंक कस्बा रूधौली, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक आफ इंडिया चेक किया गया। बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरा व सायरन को चेक किया गया। ड्यूटी में लगे सुरक्षाकर्मी मौजूद व सतर्क मिले। बैंक मे आस पास संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की गई। बैंक मे लगे कर्मचारीगण को सतर्क दृष्टि बनाए हेतु आवश्यक हिदायत दिया गया।

सोनबरसा में आयोजित हुआ बच्चों का सम्मान व विदाई समारोह

विदाई समारोह में आंसू नहीं रोक पाए सोनबरसा के बच्चे व शिक्षक

दैनिक बुद्ध का संदेश

कहोबा चौराहा,गोंडा। सोमवार को शिक्षा क्षेत्र मनकापुर के कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आज्ञाराम में वार्षिक परीक्षा में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे बच्चों को सम्मानित किया गया। साथ ही आठवीं पास बच्चों का विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया था। बच्चों को उनके अभिभावकों के हाथों सम्मानित कराया गया तथा स्कूल स्टाफ द्वारा उपस्थित अभिभावकों को माला पहनाकर व विशेष भोज के अन्तर्गत अभिभावकों तथा बच्चों को खीर खिलाया गया। कक्षा आठवीं में लक्ष्मी रमणा त्रिपाठी प्रथम,कमरुन निशा द्वितीय व केशमी भारती तृतीय स्थान पर रहे। सातवीं में अमन कुमार प्रथम खुशनाज वानों द्वितीय तथा काजल पासवान व सुषमा संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। छठवीं में लक्ष्मी भारती प्रथम ताज मोहम्मद द्वितीय, संजू चौहान व अन्जनी पासवान संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। रिया शर्मा, संगीता, चांदनी, अंशिका, शाकिरा बानो, विनोद, भूमिका मौर्य, प्रिंस यादव आदि बच्चे अपने–अपने कक्षा में अव्वल रहे। इन सभी बच्चों को कॉपी, जमेट्री बॉक्स, टिफिन बॉक्स, राइटिंग पैड आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के स्टाफ बलजीत सिंह कनौजिया, रामानुज, शताब्दी वर्मा, सुरेश कुमार, अमर ज्योति शर्मा, देवेंद्र प्रताप, चित्रावती मौर्य, पूनम यादव, अनुराधा मिश्रा, रविंद्र कुमार के साथ ही लगभग पचास अभिभावक उपस्थित रहे। शिक्षकों द्वारा उपस्थित अभिभावकों को चहक, बाल वाटिका, निपुण लक्ष्य के साथ ही बच्चों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया तथा बच्चों को साफ सफाई के साथ नियमित स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया।

सनातन संस्कृति को समर्पित विराट कवि सम्मेलन आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

मोतीगंज,गोंडा। सिद्ध पीठ कटरा कुटी धाम पर ब्रह्मलीन संत सुंदरदास महाराज की पावन स्मृति में चल रही रामकथा के समापन पर कल पूर्णाहुति हवन विशाल भंडारा एवं श्रद्धांजलि सभा के साथ विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कवि सम्मेलन के संयोजक डॉ अरुण सिंह ने बताया कि कवि सम्मेलन में संदीप सोनी प्रयागराज, महेश शुक्ला कृषांग प्रयागराज, घनश्याम पांडे गोंडवी गोंडा, डॉ वेद प्रकाश द्विवेदी प्रचंड अयोध्या, नंद कुमार तिवारी मुकुल, शिवेश राजा बाराबंकी, जितेंद्र सिंह बस्ती, रविंद्र पांडे रवि गोंडा, डॉ संत शरण त्रिपाठी संत गोंडा, मुकेश सोनी बहराइच, इंद्रपाल सिंह परसपुर सहित आसपास के जिलों से लगभग दर्जन भर कवि अपनी श्रेष्ठ कविताओं के माध्यम से राष्ट्र की वंदना करेंगे। कवि सम्मेलन का संचालक जाने–माने हास्य कवि रविंद्र पांडे रवि करेंगे।

नए सत्र पर ग्राम प्रधान ने प्राथमिक विद्यालय बनगवा में स्कूल चलो रैली निकाली

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौरा चौकी,गोंडा। विकासखंड बभनजोत के ग्राम पंचायत बनगवां में स्थित प्राथमिक विद्यालय मे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हरी प्रसाद गुप्ता ने बच्चों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं और अन्य स्टाफ के साथ स्कूल चलो अभियान के तहत गांव में रैली निकाली और अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति जागरूक किया। नए शिक्षण सत्र 2023 की शुरुआत हो चुकी है पहले प्राथमिक विद्यालय में बच्चों में किताबों का वितरण किया गया और सोमवार को स्कूल चलो अभियान के तहत गांव में रैली निकाली गई। स्कूल चलो रैली में छात्र छात्राओं ने घर घर शिक्षा का दीप जलेगा अंधकार और अज्ञान मिटेगा, आधी रोटी खाएंगे स्कूल पढ़ने जाएंगे, मम्मी पापा हमें पढ़ाओ स्कूल चढ़कर नाम लिखवाओ, जैसे नारे लगाए गए। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हर प्रसाद गुप्ता ने कहा कि सरकार बच्चों की शिक्षा के लिए फ्री खाना, निशुल्क किताब, फ्री में ड्रेस जूता मोजा सब दे रही है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वह अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा स्कूल भेजें और अपने बच्चों को शिक्षित बनाएं। प्राथमिक विद्यालय बनगवा में स्कूल चलो अभियान पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अब्दुल कादिर, सहायक अध्यापक अनिल कुमार मौर्य, सहायक अध्यापक संत कुमार, शिक्षामित्र संतोष ओझा शिक्षामित्र उर्मिला देवी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

43 वें स्थापना दिवस पर भाजपा द्वारा सामाजिक न्याय सप्ताह मनाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। भाजपा युवा मोर्चा ने देश में होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन की तर्ज पर जी–20 कार्यक्रम करेंगी और युवाओं को इस सम्बंध में जागरूक किया जाएगा, विधानसभा मेहनौन में नवीन चंद्र तिवारी स्मारक महाविद्यालय में एक सम्मेलन का आयोजित किया गया।जिसमें युवाओं और युवतियों को संबोधित किया गया। मुख्य तिथि लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ0रंजन शर्मा ने आपदा प्रबंधन जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन विषय पर सचेत किया।श्री शर्मा ने भविष्य में पेयजल की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए पेयजल को बचाने और दुरुपयोग से बचाने पर जोर दिया।कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता ने छात्र छात्राओं को समय पर पाबंद रहने का सुझाव दिया और जी 20 शिखर सम्मेलन के विषय पर अपना वक्तव्य रखा।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री विनीत सिंह ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक चंद्रकांत तिवारी, दंत चिकित्सक डॉ०अनिल कुमार अमर पाठक,रामजन्म वर्मा,आदित्य उपाध्याय आदि लोग रहे।

महा ऋषि कश्यप महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर निषाद जयंती मनाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौरा चौकी,गोंडा। महा ऋषि कश्यप महाराज गुह्यराज निषाद जयंती पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह का आयोजन मां पाटेश्वरी देवी मंदिर केशव नगर पूर्वी पर किया गया था जिसमें पिछड़े समाज से जुड़े कई वक्ताओं ने महाऋषि कश्यप महाराज ग्रहराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पिछड़े समाज से जुड़ी कई समस्याओं को लेकर अपने–अपने कथन व्यक्त किए स मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे धीरसेन निषाद ने कहा कि समाज के बच्चे पढ़ लिख कर जब तक शासन और प्रशासन में इनकी भागीदारी नहीं होगी तब तक समाज पिछड़ा रहेगा। इस समारोह में पहुंचे गौरा विधानसभा के समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी संजय कुमार विद्यार्थी ने कहा हमारा समाज पिछड़ा है और पिछड़ी जाति के कई महापुरुषों ने समाज को आगे बढ़ाने का कार्य किया है आगे समाज के लोग इस विषय पर चिंतन करें और समाज को सुधारने का काम करें। डॉ जगराम निषाद,दिलीप कुमार निषाद, अनिल कश्यप, शिवकुमार, आयोजक रामजीत निषाद जीतू नेता ने कहा निषाद समाज को नशा मुक्त होने की जरूरत है क्योंकि पिछड़े समाज में नशा घुन की तरह लग गया है जो धीरे–धीरे लोगों की जिंदगियों को तबाह कर रहा है। निषाद समाज के बच्चों को शिक्षा बहुत जरूरी है जब तक शिक्षा नहीं होगा तब तक इनकी न कोई पहचान होगी न इनका कोई सम्मान होगा। समाज के शैक्षणिक आर्थिक राजनीतिक पिछड़ेपन पर प्रकाश डालते हुए अनिल कुमार कश्यप ने कहा कि भगवान राम के 3 मित्र थे जिसमें सबसे पहले मित्र निषादराज थे। इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया गया इसमें गायक राम भवन यादव बिरहा के माध्यम से निषाद समाज की गाथा गाकर लोगों को खूब रिझाया। इस कार्यक्रम में पंचम निषाद विनोद कुमार, निषाद रामहित, निषाद विजय कुमार, रामचंद्र निषाद, मुनीम भाई सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बभनान मार्ग फूलपुर से बभनान–गौराचौकी मार्ग बुकनापूर तक जाने वाली सड़क गड्ढों में तब्दील

दैनिक बुद्ध का संदेश

छपिया,गोण्डा। किसी भी क्षेत्र के विकास का आईना सड़क होती है। सड़क अच्छी हो तो घंटों की दूरी मिनटों में तय की जा सकती है। सड़क गड्ढों से भरी हो तो मिनटों का सफर में घंटे लगते हैं। मनकापुर– बभनान मार्ग फूलपुर से बभनान–गौराचौकी मार्ग बुकनापूर तक जाने वाली सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। सड़क पर दर्जनों बड़े–बड़े गड्ढे बन गए हैं। इससे वाहनों का परिचालन प्रभावित हो रहा है। गड्ढों से बचने के चक्कर में वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं।सड़क की स्थिति बहुत ही खराब है। बड़े–बड़े गड्ढों से वाहन चालक अनियंत्रित होकर रोजाना दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं तो स्थानीय रहवासी भी खराब सड़क के चलते परेशान हैं। दशकों पहले इस सड़क का निर्माण करवाया गया था फूलपुर निवासी पूर्व प्रधान हृदयराम ने बताया 2017 में एक बार सड़क रिपेयर की गयी थीप् क्षेत्र में तीन स्कूल है जिसमें लगभग 1000 बच्चों का आवागमन प्रत्येक दिन होता हैप् सड़क की हालत खस्ताहाल हो गयी है। सड़क पर बने बड़े–बड़े गढ़ढ़े हादसों को न्यौता देते हैं. इन गड्ढों में अक्सर वाहन चालक और पैदल चलने वाले हादसे का शिकार हो जाते हैं. जिसके कारण लोगों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं।

श्री मेहंदीपुर बालाजी के भंडारे का किया गया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। श्री मेहंदीपुर बालाजी के भंडारे का किया गया आयोजन

जनपद गोंडा के इटियाथोक थाना क्षेत्र के वीर हनुमान मंदिर भवनिया पुर उपाध्याय चौराहा के पास सार्वजनिक रूप से क्षेत्र वासियों द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है जिसमें जिले के विभिन्न स्थानों से भक्तगण आकर प्रसाद ग्रहण करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए कमेटी अध्यक्ष ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 10 अप्रैल सोमवार से शुरू किया गया है 10 अप्रैल को श्री सीताराम जाप का कार्यक्रम होगा और 11 अप्रैल को विशाल भंडारा का कार्यक्रम किया जाएगा जिसमें क्षेत्र सहित दूरदराज से भक्तगण आकर प्रसाद ग्रहण करेंगे इस दौरान रात्रि में भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया है जिसमें विभिन्न प्रकार के भक्ति गीत व कीर्तन किया जाएगा यह श्री बालाजी महाराज का भंडारा कार्यक्रम 10 अप्रैल से शुरू होगा और 11 अप्रैल को भंडारे का कार्यक्रम किया जाएगा तथा भजन कीर्तन का भी कार्यक्रम किया जाएगा कार्यक्रम का स्थान वीर हनुमान मंदिर भवनियापुर उपाध्याय चौराहा इटियाथोक में सभी कार्यक्रम संपन्न होगा जहां पर रात्रि में जागरण का भी कार्यक्रम किया जाएगा।

जान चली जाए तो भी परवाह नहीं: शिवानंद

गोरखपुर। मुख्य अभियंता गंडक अधिकारियों समेत मना रहे हैं मार्च, दिन–रात लगी है ठेकेदारों की भीड़, पर कार्यालय नहीं आवास पर बैठकर हो रहा है गुणा गणित । यह कहना है आमरण अनशन पर बैठे इरीगेशन डिपार्टमेंट एम्पलाई यूनियन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय कार्यवाहक अध्यक्ष शिवानंद ने कहा की माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों की कोई अहमियत अथवा डर सिंचाई विभाग के अधिकारियों को नहीं रह गया है इसका कारण मात्र एक है कि इस सरकार में जहां एक तरफ मुख्यमंत्री इस उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में जी जान से लगे हैं और यथासंभव रोजगार भी मुहैया कराते जा रहे हैं वही मुख्य अभियंता गंडक और अधिशासी अभियंता ड्रेनेज खंड सरकार को बदनाम करने में जी–जान से लगे हुए हैं । यदि ऐसा नहीं है तो वर्ष 1991 से लेकर वर्ष 2005 तक शासनादेशों के विरुद्ध दैनिक वेतन भोगी सैकड़ों कर्मियों की नियुक्तियां जिसमें उनके चहेते भी हैं, कि हो चुकी है वही माननीय उच्च न्यायालय के आदेश रिट संख्या 29 545ध 2003 एवं संबंधित अन्य रिटोध में दिए गए निर्देशों का पालन करना तो दूर यह केवल अवैध नियुक्तियों को छुपाने में लगे हुए हैं जिसकी कई प्रतियां प्रमाण स्वरूप इन दोनों अधिकारियों को बाइंडिंग युक्त फाइल में दी जा चुकी है फिर भी ना तो जिलाधिकारी महोदय के आदेशों का पालन इनके द्वारा किया जा रहा है और ना तो प्रमुख अभियंता के निर्देशों का ही पालन किया जा रहा है ।जबकि अवैध नियुक्तियां करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध वसूली करने और दंडात्मक कार्यवाही करने को भी प्रमुख अभियंता द्वारा लिखा गया ।अब तक याची गणों में से 11 मर चुके हैं जो इन्हीं के खंड के कर्मचारी थे पर हद तो यह है कि वी के वर्मा यह कहते हैं कि हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ नहीं है।संघ के अध्यक्ष विवेकानंद पांडे एवं मंत्री इंद्रेश गौड़ ने अपने संयुक्त बयान में कहा है कि सब्र की भी एक सीमा होती है ।

जिलाधिकारी ने किया परियोजनाओ की समीक्षा बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। विकास कार्यो एवं 25 लाख से ऊपर की परियोजनाओ की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता तथा मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा कार्यदायी संस्थाओ के संबधित अधिकारियो से जनपद में चल रहे निर्माण कार्यो के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने सभी कार्यालयाध्यक्षों को बकाया बिजली बिल को जमा कराने का निर्देश दिया गया। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद में सामुदायिक शौचालय समय से खुलवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को गोशाला का निरीक्षण करने का निर्देश दिया तथा वहां पर गोवंश के लिए पर्याप्त चारा भूसा आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। पशुओं का टीकाकरण कराया जाये। सहभागिता योजना के अन्तर्गत लोगो को गोवंश लेने के लिए प्रोत्साहित करे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि महाअभियान चलाकर निराश्रित गौवंश को गौशाला में रखवायें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को आयुष्मान कार्ड बनाने की कार्य में प्रगति लाकर बनवाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा समस्त विभागो के बकाया विद्युत के बिलो का भुगतान कराने का निर्देश दिया। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (राष्ट्रीय अन्धता निवारण कार्यक्रम), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (बाल स्वास्थ्य गारन्टी योजना), महिला नसबन्दी, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (जननी सुरक्षा योजना), तथा अन्य विभागों के प्रगति की समीक्षा की गयी। इसके अलावा आईजीआरएस के निस्तारण की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आईजीआरएस पर आने वाली शिकायतो को गुणवत्तापूर्ण एवं समय से निस्तारित कराये। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 वी0के0अग्रवाल, जिला विकास अधिकारी शेषमणि सिंह, डी0सी0मनरेगा, पी0डी0 नागेन्द्र मोहन त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक अवधेश नारायन मौर्य, डी.सी.एन.आर.एल.एम. योगेन्द्र लाल भारती, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा0 राहुल गुप्ता, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुभागी कुलकर्णी, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय, सहायक अभियन्ता लोक निर्माण विभाग (प्र0ख0) सी0पी0सिंह, तथा समस्त संबधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार ने किया लोटनबाजार ब्लाक का औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ने खण्ड

विकास अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड–लोटनबाजार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय पूर्वान्ह 10.55 तक सहायक विकास अधिकारी, पंचायत, अवर अभियन्ता व जिलेदार, लघु सिचाई, बी0एम0एम, लेखा सहायक–मनरेगा, कम्प्यूटर आपरेटर–मनरेगा अनुपस्थित पाये गये। खण्ड विकास अधिकारी, लोटनबाजार को निर्देशित किया गया सम्बन्धित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए अग्रेतर कार्यवाही करें। मनरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण एवं आजिविका मिशन सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं में प्रगति की समीक्षा किया गया। उक्त के अतिरिक्त विकास खण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत निराश्रित गोवंश एवं गौशाला निर्माण एवं संचालन की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया गया। खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि परिसर मे स्थित जर्जर भवन को नियमानुसार निष्प्रयोज्य धोषित करते हुए अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें।

प्रशिक्षण से सक्रिय होंगी प्रबंध समितियां

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसकाबाजार,सिद्धार्थनगर। विकास खंड उसका बाजार अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों के अध्यक्ष व सचिव को प्रशिक्षण मिलने के बाद इनकी सक्रियता बढ़ेगी। यह जानकारी खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार ने रविवार को दिया। बीइओ ने कहा कि जन पहल अंतर्गत सभी एसएमसी के अध्यक्ष व सचिव का दो बैच में एक दिवसीय प्रशिक्षण इस सप्ताह पूर्ण किया गया। प्रशिक्षण के संबंध में बीइओ ने कहा कि निरूशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनयम अंतर्गत समुदाय एवं माता–पिता को ये अवसर प्राप्त है कि अपने बच्चों के लिए विद्यालय प्रबंध समिति में शामिल होकर विद्यालयों में समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करें। प्रबंध समिति एवं स्थानीय प्राधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों आपसी समन्वय से किस तरह विद्यालय के विकास में कार्य करें, इस विषय पर सभी जानकारियां प्रशिक्षण के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं। कहा कि विद्यालय विकास योजना में अध्यक्ष व सचिव दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यालय के विकास, नामांकन, भौतिक संसाधन सभी बिंदुओं पर कार्य करने की आवश्यकता है। प्रशिक्षण में जो जानकारियां मिले, उसे सभी लोग विद्यालय के विकास एवं शैक्षिक कार्य में लगाएं, जिससे प्रशिक्षण का उद्देश्य पूर्ण हो सके। कहा कि वर्तमान में विद्यालयों में नामांकन चल रहा है इसमें भी प्रबंध समिति के सदस्य अभिभावकों से संपर्क करके नामांकन बढ़ाने का कार्य करें। प्रशिक्षक के रुप में बालजीत कुमार, बालमुकुन्द व मनोज कुमार की भूमिकाः सराहनीय रही।

जिला मीडिया प्रभारी बने गोविंद वर्मा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। विकास भवन के डी०पी०आर०सी० भवन में आयोजित हुई उत्तर प्रदेश पंचायत सहायक संघ जनपद सिद्धार्थ नगर संबद्ध राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश जनपद सिद्धार्थनगर के द्वारा जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें जनपद के ब्लाकों से आए तमाम ब्लॉकों से आए पंचायत सहायको को पदाधिकारी नियुक्त किया गया। इसी क्रम में ब्लॉक नौगढ़ के गोविंद कुमार वर्मा को जिला मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया। गोविंद कुमार वर्मा के अनुसार जिस प्रकार संगठन ने हमें एक महत्वपूर्ण दायित्व दिया है उसका हम पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे तथा अपनी कर्तव्य पर खरे उतरेंगे। इस समय हर जगह मीडिया का बोलबाला है। वर्तमान में मीडिया का प्रचलन बहुत ही तेज गति से हो रहा है। जिससे संगठन को आगे ले जाने के लिए मीडिया का सहायक रूप में होना अति आवश्यक है जिस प्रकार मुझे संगठन ने मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया है उसका मैं बहुत ही लगन से पालन करूंगा। और संस्था को एक नई शिखर पर ले जाने का प्रयास करूंगा। इस अवसर पर नौगढ़ ब्लॉक के पंचायत सहायक विभव उपाध्याय, जितेंद्र प्रताप यादव, राजकुमार, धीरेंद्र, शीतल गौड़, आदि पंचायत सहायकों ने गोविंद वर्मा को मीडिया प्रभारी बनने पर बधाई दी एवं आपस में मिठाइयां बांटे के खुशी जाहिर की।

तेतरी सोहास लोटन मार्ग के चौड़ीकरण का मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ने

आर0आई0डी0एफ0–26 नाबार्ड अनुदान से स्वीकृत तेतरी सोहास लोटन मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के समय मनीष सिंह, सहायक अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, प्रांतीय खण्ड, लाल चन्द्र पटेल, अवर अभियन्ता एवं विनोद शर्मा, अवर अभियन्ता लोक निर्माण विभाग सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। लोटनबाजार से सोहास मार्ग के किमी 03.00 पर मार्ग के डब्लू0एम0एम0 का निरीक्षण किया गया। सहायक अभियन्ता द्वारा बताया गया कि सम्पूर्ण लम्बाई 19.00 किमी0 में चौड़ीकरण एवं मिट्टी पटाई का कार्य पूर्ण करा दिया गया है, डब्ल्यू0एम0एम0 स्टेब्लाइजेशन का कार्य कराया जा रहा है। कार्य पूर्ण होने की लक्षित अवधि माह–जुलाई, 2023 है। निर्देशित किया गया कि निर्धारित अवधि तक गुणवत्तापूवर्क कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

सर्वशिक्षा अभियान के तहत निकाली गई रैली

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोहास बाजार,सिद्धार्थनगर। सर्वशिक्षा अभियान के तहत रैली

निकाल कर लोगों को जागरूक किया गया। स्कूली बच्चे सुबह स्कूल खुलने के बाद कतारवद्ध होकर लोक लुभावने नारे लगा कर प्रभात फेरी लगा रहे थे। सदर विकास खण्ड अंतर्गत कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय गनेरा न्यायपंचायत बेलटीकर में स्कूल चलो अभियान रैली निकाली गई। स्कूली बच्चे दफ्ती पर विभिन्न प्रकार के नारे व स्लोगन लिखकर हाथ में लिए हुए थे।बच्चे शिक्षा व साफ सफाई पर नारा लगा रहे थे। मालूम हो कि शत प्रतिशत नामांकन हेतु स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक दीपक श्रीवास्तव, नागेन्द्र कुमार, खुर्शीद आलम, शहाना, प्रियंका, अनुराधा, प्रतिभा दुबे, नितीश चन्द्र दुबे सहित स्कूली छात्र शामिल रहे।

बच्चों ने निकाली स्कूल चलो अभियान की रैली

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में भी लोगों ने किया प्रतिभाग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज ब्लॉक क्षेत्र के कम्पोजिट अपर प्राइमरी स्कूल भारत भारी में स्कूल चलो अभियान रैली एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान की रैली बच्चों एवं अध्यापकों द्वारा निकाली गई। रैली को नोडल शिक्षक संकुल बशीर अहमद फारूकी एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुशील कुमार द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली विद्यालय से निकल कर पूरे गाँव में होते हुए विद्यालय पर लौट कर समाप्त हुई। इस दौरान बच्चों ने आधी रोटी खायेंगे, स्कूल जरूर जायेंगे।बच्चे मांगे प्यार दो, शिक्षा का अधिकार दो। मम्मी पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल में चलकर नाम लिखाओ। पढ़ी लिखी लड़की रोशनी घर की। एक भी बच्चा छूटा, संकल्प हमारा टूटा।घर घर विद्या दीप जलाओ, अपने बच्चे सभी पढ़ाओ। आदि नारे लगाए। नोडल शिक्षक संकुल बशीर अहमद फारूकी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी अभिभावक अपने 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों का विद्यालय में शत प्रतिशत नामांकन कराएं।इस अवसर पर इन्चार्ज प्रधानाध्यापक मोहम्मद नदीम ने लोगों से कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत सभी लोग अपने घर के पास दूषित पानी न इकट्ठा होने दें।नालियों को ढक कर रखें,नालियों की साफ सफाई रखें।सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। बच्चों को बुखार आने पर डॉक्टर से सम्पर्क करें।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुशील कुमार, एखलाक हुसैन, अल्ताफ हुसैन, फूलमती, इश्तियाक अहमद, इरशाद यह। अहमद, अजय उपाध्याय, द्विजेश चन्द्र द्विवेदी, राम विलास सिंह यादव, तनवीर अहमद, शैलेन्द्र चौधरी, रामसजीवन, केशरी मिश्रा, नीतू शुक्ला आदि लोगों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

स्कूल चलो अभियान और संचारी रोगों के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरुक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। विकास खंड खुनियांव के प्राथमिक विद्यालय क्षेत्र के सभी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए

प्राथमिक विद्यालय के नजदीक के गांवों में अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उक्त विचार खुनियांव विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय हरैया के प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार शर्मा ने स्कूल चलो अभियान और संचारी रोगों के प्रति जागरूकता के लिए चलाए जा रहे अभियान में घर घर संपर्क के दौरान कही उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही है जिनकी जानकारी न होने से बहुत से लोग ऐसी योजनाओं से वंचित रह जाते है इसीलिए हमलोग विद्यालय के नजदीक गांव के प्रत्येक घर पर जायेंगे और घर के प्रत्येक सदस्य को संचारी रोगों से बचने के लिए मच्छरदानी लगाने और धूप से बचने के लिए सिर को ढककर रखने को सलाह दे रहे है आसपास गंदगी न होने दी जाय।इस मौसम में शुद्ध पानी व ताजे एवं स्वच्छ भोजन का उपयोग हो इसके साथ ही साथ मच्छर जनित रोगों से बचने के लिए कहीं पर भी पानी को एकत्रित न होने दिया जाय। यदि घर में फ्रीज और कूलर है तो उनकी साप्ताहिक सफाई बहुत जरूरी है जिससे मच्छर पैदा न हो सके।कार्यक्रम में सहायक अध्यापक रामाशीष सहित विद्यालय की पूरी टीम शामिल रही।

थानाध्यक्ष छावनी ने बैंक व एटीएम को चेक किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल कृष्ण चौधरी के आदेश

के क्रम मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक दीपेन्द्रनाथ चौधरी के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी हर्रैया शेषमणि उपाध्याय के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष छावनी बस्ती दुर्गेश कुमार पांडेय मय हमराही गढ़ के साथ थाना छावनी में पढ़ने वाले समस्त बैंक व एटीएम को चेक किया गया। तथा संदिग्ध लोगों से पूछताछ की गई सभी सही पाए गए। बैंक में लगे सायरन को चेक किया गया तथा बैंक में लगे पुलिस कर्मचारी को बताया गया है कि बैंक के अंदर हमेशा भ्रमण सील रहें। किसी प्रकार की समस्या किसी भी खाताधारक को नहीं होनी चाहिए। बैंक में उपस्थित सभी खाताधारकों को थानाध्यक्ष छावनी के द्वारा बताया गया कि एटीएम पासबुक पैसा की जिम्मेदारी आपकी है अन्य किसी प्रकार की समस्या होने पर बैंक में उपस्थित पुलिसकर्मचारी को तुरंत बताएं जिससे आपकी समस्या का समाधान किया जा सके।

अवसर मिला तो बदल दूंगी बस्ती की तस्वीरःआशा सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा निकाय चुनाव को लेकर जहां प्रत्याशियों का चयन करने को लेकर समीक्षा कर रही है। तो वही दूसरी तरफ कार्यकर्ताओं में भी उत्साह देखने को मिला बस्ती नगर पालिका क्षेत्र की सीट सामान्य महिला होने पर कुछ तो अपने पत्नियों को तो कई अपनी बहू तक को चुनाव मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है।ऐसे में दशकों से भारतीय जनता पार्टी की सेवा कर रही भाजपा नेत्रियां भी अपना भविष्य तलाश रही है। वर्तमान समय में भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष श्री मती आशा सिंह ने चुनावी मैदान में अपना भाग्य आजमाने के लिए जनसंपर्क कर रही हैं। उन्हें विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी उनके सेवा और समर्पण को देखते हुए उन्हें अपना उम्मीदवार घोषित करेगी पत्रकारों से बातचीत के दौरान आशा सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी मेरा परिवार है विगत कई दशकों से पार्टी की सेवा कर रही हूं।।पार्टी का शीर्ष नेतृत्व अगर मुझ पर विश्वास करता है तो मैं उस पर खरी उतरूंगी। उन्होंने कहा कि अगर बस्ती की सेवा करने का अवसर मिला तो बस्ती का चौमुखी विकास, वार्ड में प्रकाश सफाई और हेल्थ कैंपों का भी आयोजन करुँगी। इसी क्रम में उन्होंने आज शहर के कई वार्ड में जनसंपर्क कर भारतीय जनता पार्टी के उद्देश्य और कार्यों को लोगों को बताया।

सम्पादकीय

नई डिवाइस से शिक्षा कैसे??

साथ ही शिक्षा मंत्री का यह भी कहना था कि दूरसंचार सुविधाओं में सुधार की जिम्मेदारी बीएसएनएल को दी गई है। यह बात पड़ताल की मांग करती है कि ये सरकारी प्रयास जमीनी स्तर पर कितने प्रभावी नजर आए हैं। लेकिन एक बात तो तय है कि देश में शिक्षा जगत में विभाजन कितना गहरा हो चला है। एक तरफ पांच सितारा...

यह सत्य है कि देश के 10 लाख सरकारी स्कूलों में से सिर्फ 2.47 लाख स्कूलों के पास इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। यह संख्या महज 24 फीसदी बैठती है। दिल्ली और चंडीगढ़ अपनी पीठ थपथपा सकते हैं कि वहां स्कूलों में सौ फीसदी इंटरनेट की उपलब्धता है। वैसे देश की राजधानी दिल्ली व दो प्रदेशों की राजधानी चंडीगढ़ में ऐसा होना कोई आश्चर्य की बात नहीं कही जानी चाहिए, क्योंकि ये शहर देश के नीति–नियंताओं के केंद्र हैं और यहां संरचनात्मक ढांचा सबल है। लेकिन बाकी राज्यों में पंजाब का बेहतर प्रदर्शन सुखद ही है। पंजाब में करीब 47 फीसदी सरकारी स्कूलों में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो सकी है। निस्संदेह, इसका श्रेय शिक्षा विभाग की सक्रियता और शिक्षकों की जागरूकता को दिया जाना चाहिए। लेकिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से तीन तरफ से जुड़े हरियाणा के सरकारी स्कूलों में इंटरनेट की उपलब्धता का 29 फीसदी रहना चौंकाता है । सरकार की तरफ से स्कूलों में लाखों टैब व लेपटॉप बांटने व कई अभियानों के बावजूद प्रतिशत कम रहना एक यक्ष प्रश्न है । दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश में 27 फीसदी व जम्मू कश्मीर में महज 22 फीसदी स्कूलों में इंटरनेट कनेक्टिविटी हो पायी है। दरअसल, हाल ही में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में बताया था कि देश के महज 24 फीसदी सरकारी स्कूलों में ही इंटरनेट की उपलब्धता है। जिसमें बिहार की स्थिति सबसे खराब है जहां महज 5.8 फीसदी स्कूलों में ही इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। कमोबेश मिजोरम में 15.9 फीसदी सरकारी स्कूलों में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है । उत्तर प्रदेश में 8.8 फीसदी की उपलब्धता भी चिंताजनक स्थिति को दर्शाती है । इसी तरह ओडिशा में भी महज आठ फीसदी सरकारी स्कूलों में इंटरनेट सेवा की उपलब्धता है । बड़े राज्यों में सबसे सुखद स्थिति केरल की बतायी जाती है जहां 94.5 फीसदी सरकारी स्कूल इंटरनेट कनेक्टिविटी से युक्त हैं। इसी तरह गुजरात में भी 94.1 फीसदी स्कूलों में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि कोरोना संकट के दौरान देशव्यापी लॉकडाउन और अन्य संचार प्रतिबंधों के बीच सरकारी स्कूलों में शिक्षा का क्या हाल रहा होगा? छात्र– छात्राओं की पढ़ाई इन दो बाधित सालों में कितनी हो पायी होगी? वैसे भी इन सरकारी आंकड़ों को यदि सही मान भी लिया जाये तो सवाल उठता है कि इन सरकारी स्कूलों में कितने फीसदी शिक्षक इंटरनेट से शिक्षण के लिये दक्ष हैं? यह भी कि क्या कोविड महामारी जैसी आपातकालीन स्थितियों को एक नया अवसर बनाने में हम चूके हैं? यह मौका था कि हम सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का भरपूर लाभ उठाकर सरकारी स्कूलों को इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने में जुट जाते। कहने को तो शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दावा किया था कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी यानी आईसीटी प्रयोगशालाओं के लिये एक हजार करोड़ रुपये व राज्यो व केंद्र शासित प्रदेशों में स्मार्ट कक्षाओं के लिये 909.6 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। लेकिन देखने वाली बात यह है कि कितने स्कूलों को इसका लाभ मिला और वहां इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो पायी। है। साथ ही शिक्षा मंत्री का यह भी कहना था कि दूरसंचार सुविधाओं में सुधार की जिम्मेदारी बीएसएनएल को दी गई है। यह बात पड़ताल की मांग करती है कि ये सरकारी प्रयास जमीनी स्तर पर कितने प्रभावी नजर आए हैं। लेकिन एक बात तो तय है कि देश में शिक्षा जगत में विभाजन कितना गहरा हो चला है। एक तरफ पांच सितारा निजी स्कूल हैं, जहां धनाढ्य वर्ग नीति–नियंताओं व संभ्रांत वर्ग के बच्चे प रहे हैं, वहीं सरकारी स्कूलों में इंटरनेट जैस मूलभूत जरूरत उपलब्ध ही नहीं है।

जो लोग श्रीराम कथा को सुनते हैं वे देवता होते हैंः तुलसीदास

खराब संगति व्यक्ति को नीच और कुकर्मी बना देती है। मद्य पान व्यक्ति के सोचने और समझने की शक्ति को समाप्त कर देता है। कुसंग मद्यपान से भी भयंकर है । गोस्वामी तुलसीदास जी श्रीरामचरित मानस के बाल कांड में लिखते हैं कि कठिन कुसंग कुपंथ कराला। तिन्ह के बचन ब्याघ हरि ब्याला। गृह कारज नाना जंजाला। ते अति दुर्गम सैल बिसाला।।अर्थात घोर कुसंग ही भयानक बुरा रास्ता है। उन कुसंगियों के वचन ही बाघ, सिंह और सांप हैं। घर के काम काज और गृहस्थी के भांति भांति के जंजाल ही अत्यंत दुर्गम बड़े बड़े पहाड़ हैं। अब आप देखिए कि गोस्वामी जी किस तरह दुष्टों का वर्णन कर रहे हैं। नीच और पापी व्यक्ति नीचता और पाप करना ही सिखलाएगा। जबकि सज्जन व्यक्ति सज्जनता सिखलाता है। गोस्वामी जी कहते हैं कि सज्जन व्यक्ति ही मानस में मज्जन अर्थात स्नान करता है। वे लिखते हैं कि अति खल जे बिषई बग कागा। एहि सर निकट न जाई अभागा।। संबुक भेक सेवार समाना। इहाँ न बिषय कथा रस नाना। अर्थात जो अति दुष्ट और विषयी हैं वे अभागे बगुले और कौवे हैं, जो इस सरोवर के नहीं जाते। क्योंकि यहां (इस मानस सरोवर में) घोंघे, मेढक और सेवार के समान विषय रस की नाना कथाएं नहीं हैं। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि उस समय भी श्रीरामचरित मानस का विरोध दुष्टों के द्वारा किया जाता रहा होगा। इसीलिए गोस्वामी जी को इस तरह की बातें लिखनी पड़ीं। श्रीरामचरित मानस की कथा सुनने वालों को गोस्वामी जी देवता की उपाधि से विभूषित करते हुए लिखते हैं कि जे गावहिं यह चरित संभारे। तेइ एहि ताल चतुर रखवारे।। सदा सुनहिं सादर नर नारी। तेइ सुरबर मानस अधिकारी।। अर्थात जो लोग इस चरित्र को सावधानी से गाते हैं, वे लोग ही इस तालाब के चतुर रखवाले हैं और जो स्त्री और पुरुष हमेशा इस कथा को आदर पूर्वक सुनते हैं, वे लोग ही इस सुंदर मानस के अधिकारी उत्तम देवता हैं। सचमुच नीच और कुत्सित प्रवृत्ति के लोगों को प्रभु श्रीराम की कथा नहीं सुहाती किंतु देवत्व प्रवृत्ति वाले इंसानों को श्रीराम कथा रूचिकर प्रतीत होती है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का सन्देश

पवार का बयान बताता है कि राहुल की लड़ाई लम्बी है

कहा यह भी जा रहा है कि उनके बयान का विपक्षी दलों की एकता पर असर नहीं होगा। यहां सवाल विपक्षी एकता पर उनके बयान के प्रभाव का नहीं है वरन यह देखना है कि श्री अदानी से सीधी टक्कर लेने की ताकत कौन रखता है और कौन मौन रहकर अथवा अप्रत्यक्ष तरीके से वर्तमान पूंजीवादी अर्थप्रणाली के समर्थन में खड़ा है जो देश को कंगाल कर रही है। देश इसे ध्यान से देख भी रहा है....

पिछले करीब 9 वर्षों में देश जिस कुप्रबंधन, अराजकता एवं आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहा है, स्वतंत्र चेतना के नागरिक केन्द्र की सत्ता में परिवर्तन का इंतजार कर रहे हैं। हाल के कतिपय राजनीतिक घटनाक्रमों के चलते विभाजित होकर भी और धीमी गति से ही सही विपक्षी पार्टियां एक–दूसरे के नजदीक आ रही हैं। एक विपक्षी एकता की धुरी की जो कमी पिछले कुछ समय से बनी हुई थी, वह भी अब कांग्रेस पूरी करती हुई दिख रही है। ऐसे समय में जब लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष एवं प्रगतिशील विचारधारा के लोग प्रतिरोध की किसी सामूहिक शक्ति के उदित होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वरिष्ठ नेता शरद पवार का वह बयान आश्चर्य के रूप में कम और किसी झटके की तरह अधिक कहा जा सकता है जिसमें उन्होंने एक तरह से विपक्ष द्वारा उद्योगपतियों की जमात पर हमला न करने की अप्रत्यक्ष सलाह दी है। साथ ही, विवादास्पद कारोबारी गौतम अदानी के कथित घोटालों की जांच कोर्ट से कराये जाने का परामर्श भी दे दिया है, न कि संयुक्त संसदीय समिति की ओर से जिसकी मांग समग्र विपक्ष (उनकी अपनी राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी सहित) और अधिसंख्य भारतीय जनता कर रही है। श्री पवार की इस मांग ने बतला दिया है कि इस मांग को उठा रहे कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की लड़ाई कितनी बड़ी है। श्री अदानी से प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के संबंध अब किसी से छिपे नहीं हैं। देश ही नहीं, दुनिया भर में इसकी चर्चा आम है कि 2014 के पहले तक गौतम अदानी दुनिया के अमीरों की सूची में 609वें क्रमांक पर थे, वे पिछले दिनों दूसरे क्रमांक पर जा पहुंचे थे। इसका कारण था मोदी सरकार द्वारा उन्हें तमाम सरकारी उपक्रम, ठेके आदि सौंपते चले जाना। न केवल हवाई अड्डे, बंदरगाह, अधोरचना के उद्यम उन्हें दे दिये गये,भारत सरकार के लिए महत्वपूर्ण अनेक अंतरराष्ट्रीय व रणनीतिक महत्व के करार भी उनकी झोली में आ गये। पिछले वर्ष की 7 सितम्बर को कन्याकुमारी से कश्मीर तक की पैदल यात्रा पर निकले राहुल गांधी ने जनता के सामने मोदी–अदानी दोस्ती की पोल खोल दी और साथ ही यह भी बतला दिया कि ये देश के लिये कितना महंगा साबित हो रहा है। यात्रा खत्म होने के तत्काल बाद राहुल गांधी ने लोकसभा के बजट सत्र में यह मामला बड़ी मुखरता से उठाया था। इस बीच एक तरफ हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने अदानी समूह के कारोबार पर गंभीर सवाल उठाए, इस बीच राहुल की सांसदी मानहानि मामले में सजा के बहाने छीन ली गई। राहुल की लड़ाई जारी रही और अनेक विपक्षी दल भी कांग्रेस के साथ जुड़ते चले गये– संसद के भीतर व बाहर भी। पूरे देश की मांग है कि अदानी घोटाले की पूरी जांच किसी संयुक्त संसदीय समिति के माध्यम से हो। अब श्री पवार का यह कहना कि श्प्रस्तावित समिति में भाजपा का ही प्रतिनिधित्व रहेगा, इसलिये यह मांग निरर्थक हैश, आसानी से गले से उतरने वाली बात नहीं है। यह हमेशा से होता आया है कि किसी भी जेपीसी में स्वाभाविकतरू सत्तारुढ़ दल का ही बहुमत होता है लेकिन जेपीसी की आवाज व विचारों को अल्पमत के बावजूद जनता की आवाज कहा जा सकता है। यह प्रतिपक्ष की ताकत व प्रतिष्ठा का भी प्रश्न है जिसे कोर्ट को सौंपकर कमतर नहीं किया जा सकता। वैसे माना यह जा रहा है कि श्री पवार की ख्याति एक तरह से कारोबारी जगत के प्रतिनिधि के रूप में ही है, इसलिए उनकी ओर से यह बात कही जाती है तो आश्चर्य नहीं होना चाहिये। कहा यह भी जा रहा है कि उनके बयान का विपक्षी दलों की एकता पर असर नहीं होगा। यहां सवाल विपक्षी एकता पर उनके बयान के प्रभाव का नहीं है वरन यह देखना है कि श्री अदानी से सीधी टक्कर लेने की ताकत कौन रखता है और कौन मौन रहकर अथवा अप्रत्यक्ष तरीके से वर्तमान पूंजीवादी अर्थप्रणाली के समर्थन में खड़ा है जो देश को कंगाल कर रही है। देश इसे ध्यान से देख भी रहा है। इसलिये शरद पवार का यह बयान अवांछनीय व दुर्भाग्यजनक ही नहीं, बल्कि समय के प्रतिकूल भी है। वे एक तरह से राहुल गांधी और सम्पूर्ण विपक्ष की लड़ाई को कमजोर ही कर रहे हैं। प्रतिपक्ष तभी सशक्त हो सकेगा जब सभी दलों के सुर एक हों।

व्यापक राजनीतिक हित में जनता दल सेक्यूलर के नेता एचडी कुमारस्वामी को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बना कर कांग्रेस अतीत में ऐसी समझदारी दिखा भी चुकी है, पर असल सवाल वही है रू कांग्रेस खुद जीतना चाहती है या भाजपा को हराना ? बेशक किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह फैसला कर पाना आसान नहीं, पर ऐतहासिक मोड़ पर लिये जाने वाले फैसले आसान कहां होते हैं...

शशि थरूर की गुगली से चित कांग्रेस

राज कुमार सिंह

राजनय से राजनीति में आये शशि थरूर ने जो गुगली फेंकी है, उसे खेल पाना कांग्रेस और उसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के लिए आसान नहीं। नेहरू परिवार का आशीर्वाद प्राप्त खडगे से अध्यक्ष पद के चुनाव में भारी अंतर से हारने के बावजूद थरूर ने हिम्मत नहीं हारी है। हालांकि उम्रदराज खडगे खुद कर्नाटक से आते हैं, लेकिन अपेक्षाकृत युवा थरूर चाहते हैं कि कांग्रेस कम–से–कम दक्षिण भारत में तो उन्हें अपना चेहरा बनाए। कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों को आगे लाते हुए व्यापक विपक्षी एकता की सार्वजनिक रूप से दी गई थरूर की सलाह भी इसी महत्त्वाकांक्षा से प्रेरित लगती है। नहीं भूलना चाहिए कि दक्षिण भारत में ही क्षेत्रीय दलों का दबदबा ज्यादा है। इस सलाह से खासकर क्षेत्रीय दलों में थरूर की छवि स्वाभाविक ही बेहतर बनी होगी, जिसका लाभ उन्हें शायद भविष्य की राजनीति में मिल पाए। जैसा कि खुद थरूर ने टिप्पणी कीरू अगर वह नेतृत्व की भूमिका में होते तो ऐसा करते, जाहिर है, विपक्षी एकता की दिशा में पहल की रणनीति कांग्रेस नेतृत्व को ही तय करनी है। यह समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि उसमें सिर्फ खडगे नहीं, बल्कि सोनिया–राहुल–प्रियंका गांधी की निर्णायक भूमिका होगी। वैसे थरूर ने सलाह गलत नहीं दी है। तटस्थ भाव से जमीनी राजनीति का आकलन करें तो साफ नजर आता है कि बिना व्यापक विपक्षी एकता के आगामी लोक सभा चुनाव में मोदी की भाजपा को हरा पाना नामुमकिन है। विपक्षी दलों को भी

इसका अहसास है, पर टकराव राजनीतिक हितों और महत्त्वाकांक्षाओं का है। बेशक आज भी लोक सभा में 52 सांसदों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ा दल है, लेकिन उसकी ऐतिहासिक कमजोरी को ज्यादातर क्षेत्रीय दल अपने राजनीतिक हित में देखते हैं। ऐसा इसलिए भी कि वे या तो पूर्व कांग्रेसी नेताओं द्वारा बनाए गए हैं अथवा कांग्रेस से छीने गए जनाधार की जमीन पर उनकी राजनीति टिकी है। कांग्रेस को भी मन ही–मन यह बात सालती है कि उसे हाशिये पर धकेल कर उसी के जनाधार पर खड़े क्षेत्रीय दल अब राष्ट्रीय राजनीति का भी सपना देखने लगे हैं, पर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के अभूतपूर्व विस्तार और आक्रामक राजनीति ने ज्यादातर विपक्षी दलों के लिए भविष्य तो छोडिघ्, अस्तित्व का ही संकट पैदा कर दिया है। सच जब सामने आएगा, तब आएगा, लेकिन आज ज्यादातर विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों में सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियां का शिंकजा कसता जा रहा है। इसी शिकंजे के विरु द्ध शुरू हुई विपक्षी एकता की कवायद को मानहानि मामले में राहुल को सजा और फिर सांसदी समाप्ति से राजनीतिक आधार और नई गति मिली है। जो दल और नेता कल तक कांग्रेस–भाजपा से समान दूरी की बात कर रहे थे, आज संसद से सड़क तक विपक्षी एकजुटता में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इस एकजुटता को विपक्षी एकता का ताना–बाना पहनाना अब कांग्रेस की जिम्मेदारी ज्यादा है। संभव है निजी महत्त्वाकांक्षा भी हो, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दोहरा ही रहे हैं कि उन्हें विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस की पहल का इंतजार है। वैसे भी अगर तृणमूल, सपा, बीआरएस और आप जैसे कुछ प्रमुख विपक्षी दल हाल तक भाजपा–कांग्रेस से समान दूरी की राजनीति की बात करते रहे हैं, तो उन्हें निकट लाने की पहल कांग्रेस को ही करनी होगी। आगामी लोक सभा चुनाव की दृष्टि से देखें तो क्षेत्रीय दलों की तुलना में कांग्रेस का राजनीतिक भविष्य ज्यादा दांव पर होगा। क्षेत्रीय दल अपने–अपने राज्यों में भाजपा का मुकाबला करने में समर्थ हैं, पर कांग्रेस महज तीन–चार राज्यों में भाजपा का मुकाबला करने या सरकार भी बना सकने की अपनी सामर्थ्य पर संतुष्ट होने का राजनीतिक जोखिम नहीं उठा सकती। इसलिए यह समझ पाना ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए कि विपक्षी एकता की कांग्रेस को ज्यादा जरूरत है, पर क्षेत्रीय दलों को आगे लाने के जिस फॉर्मूले का सुझाव थरूर ने दिया है, उसे अपनाने से पहले कांग्रेस को खुद अपनी राजनीति–रणनीति की बाबत बड़ा फैसला करना होगा। साफ कहें तो कांग्रेस को पहले यह तय करना होगा कि वह खुद जीतना चाहती है या भाजपा को हराना। प्रथम दृष्टया ये दोनों स्थितियां एक ही सिक्के के दो पहलू लग सकती है, पर ऐसा है नहीं। अगर कांग्रेस की मंशा खुद जीतने की है तो वह अपना खोया हुआ जनाधार और स्थान वापस पाने के लिए क्षेत्रीय दलों से अपनी शर्तों पर गठबंधन की कोशिश करेगी, पर यदि एकमात्र उद्देश्य भाजपा को हराना है तो वह अपनी पुनरुत्थान–योजना को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल कर विपक्षी एकता के लिए जहां–तहां अपने तात्कालिक राजनीतिक हितों पर भी समझौता करने में संकोच नहीं करेगी। मसलन, जिस तरह कांग्रेस ने बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड को तथा तमिलनाडु में द्रमुक को अपने बड़े भाई की भूमिका में स्वीकार कर लिया है, वैसे ही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, ओडिशा में बीजू जनता दल आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस या तेलुगु देशम, तेलंगाना में बीआरएस, उत्तर प्रदेश में सपा तथा दिल्ली और पंजाब में आप को स्वीकार करना पड़ेगा। यह संदेश देना पड़ेगा कि राष्ट्रीय राजनीति में भी कांग्रेस क्षेत्रीय दलों की भूमिका का सम्मान करती है। कभी चंद्रबाबू नायडू, जॉर्ज फर्नांडीज और शरद यादव को राजग का संयोजक बना कर भाजपा ने यही संदेश दिया था। अगर सोनिया गांधी का स्वास्थ्य उन्हें इजाजत दे तो संप्रग काल के अनुभव के मद्देनजर शायद क्षेत्रीय दल गठबंधन के संयोजक के रूप में उनके नाम पर भी सहमत हो सकते हैं। उस सूरत में कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन को बहुमत मिलने पर सरकार के नेतृत्व के लिए अपना दावा छोडना पड़ेगा, जो अभी बहुत दूर की कौड़ी है। व्यापक राजनीतिक हित में जनता दल सेक्यूलर के नेता एचडी कुमारस्वामी को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बना कर कांग्रेस अतीत में ऐसी समझदारी दिखा भी चुकी है, पर असल सवाल वही है रू कांग्रेस खुद जीतना चाहती है या भाजपा को हराना? बेशक किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह फैसला कर पाना आसान नहीं, पर ऐतहासिक मोड़ पर लिये जाने वाले फैसले आसान कहां होते हैं!

कार्यालय : ग्राम पंचायत- सिकरी बखरिया
वि0 ख0-लोटन बाजार जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्त्येय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 20.04.2023 को अपराह्न 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 20.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **सिकरी बखरिया** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों सचिवों सदस्यों बी.डी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **सिकरी बखरिया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत **सिकरी बखरिया** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **सिकरी बखरिया** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
सफीउल्लाह	**ईश्वर देव**
ग्रामपंचायत-सिकरीबखरिया	ग्राम पंचायत-सिकरी बखरिया
वि0 खंड-लोटन बाजार	वि0 खंड-लोटन बाजार
जनपद-सिद्धार्थनगर	जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत- एकडेंगवा
वि0 ख0-लोटन बाजार जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्त्येय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 22.04.2023 को अपराह्न 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 03.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 22.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **एकडेंगवा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों सचिवों सदस्यों बी.डी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **एकडेंगवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **एकडेंगवा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **एकडेंगवा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
पावित्री देवी	**प्रियंका गोस्वामी**
ग्राम पंचायत-एकडेंगवा	ग्राम पंचायत-एकडेंगवा
वि0 खंड-लोटन बाजार	वि0 खंड-लोटन बाजार
जनपद-सिद्धार्थनगर	जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत-पड़हरा खुर्द
वि0 ख0-लोटन बाजार ,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्त्येय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 20.04.2023 को अपराह्न 09.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 10.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 20.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **पड़हरा खुर्द** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों सचिवों सदस्यों बी.डी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **पड़हरा खुर्द** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **पड़हरा खुर्द** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **पड़हरा खुर्द** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
प्रेमा देवी	**प्रियंका गोस्वामी**
ग्राम पंचायत-पड़हरा खुर्द	ग्राम पंचायत-पड़हरा खुर्द
वि0 खंड-लोटन बाजार	वि0 खंड-लोटन बाजार
जनपद-सिद्धार्थनगर	जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत-जगदीशपुर राजा
विकास खण्ड-नौगढ ,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्त्येय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 22.04.2023 को अपराह्न 9.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 10.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 22.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **जगदीशपुर राजा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों सचिवों सदस्यों बी.डी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **जगदीशपुर राजा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत **जगदीशपुर राजा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **जगदीशपुर राजा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
श्रीमती सुनीता यादव	**श्री विमल कान्त**
ग्रामपंचायत-जगदीशपुर राजा	ग्रामपंचायत-जगदीशपुर राजा
वि0 खंड-नौगढ़	वि0 खंड-नौगढ
जनपद-सिद्धार्थनगर	जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत- सपही
वि0 ख0-लोटन बाजार जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्त्येय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 19.04.2023 को अपराह्न 12.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 01.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 19.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **सपही** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों सचिवों सदस्यों बी.डी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **सपही** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **सपही** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **सपही** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
रत्नेश शुक्ला	**शीला पटेल**
ग्राम पंचायत-सपही	ग्राम पंचायत-सपही
वि0 खंड-लोटन बाजार	वि0 खंड-लोटन बाजार
जनपद-सिद्धार्थनगर	जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत- नगपरी
विकास खण्ड-जोगिया ,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्त्येय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 26.04.2023 को अपराह्न 1.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 02.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 26.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **नगपरी** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों सचिवों सदस्यों बी.डी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **नगपरी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **नगपरी** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **नगपरी** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
अरविन्द यादव	**अभिषेक त्रिपाठी**
ग्राम पंचायत-नगपरी	ग्राम पंचायत-नगपरी
वि0 खंड-जोगिया	वि0 खंड-जोगिया
जनपद-सिद्धार्थनगर	जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत- नगपरा
विकास खण्ड-जोगिया ,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचमराज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्त्येय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 26.04.2023 को अपराह्न 4.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 05.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 26.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **नगपरा** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों सचिवों सदस्यों बी.डी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.डब्लू.डी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **नगपरा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **नगपरा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा। 14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **नगपरा** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
मनिराम	**अभिषेक त्रिपाठी**
ग्राम पंचायत-नगपरा	ग्राम पंचायत-नगपरा
वि0 खंड-जोगिया	वि0 खंड-जोगिया
जनपद-सिद्धार्थनगर	जनपद-सिद्धार्थनगर

कार्यालय : ग्राम पंचायत-रसियावल खुर्द
वि0 ख0-लोटन बाजार ,जनपद-सिद्धार्थनगर

-:अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना:-

वर्ष 2023–24 के लिए मनरेगा योजना/राज्य वित्त/चौदहवां/पन्द्रहवां वित्त/पिछड़ क्षेत्र अनुदान निधि/पंचम राज्यवित्त,पंचायत भवन/अन्त्येय स्थल/विधायक निधि,सांसद निधि,गोवंश आश्रय केन्द्र व अन्य योजनान्तर्गत स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों की सामग्री जैसे प्रथम श्रेणी,ईंट की गिट्टी, मोरंग बालू ,सादा बालू, सीमेंट ,सीमेंट ईट ,सरिया, हयूम पाइप,विद्युत के समान ,सफाई सामग्री ,पैंट ,टाइल्स, साइन बोर्ड इत्यादि के इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा द्वारा दिनांकः 20.04.2023 को अपराह्न 12.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर प्रस्तुत करें। निविदा उसी दिन अपराह्न 01.00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांकः 20.04.2023 तक किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय **रसियावल खुर्द** में नियमानुसार निविदा मूल्य अदा कर प्राप्त की जा सकती है तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि मु. 5000 (पांच हजार) रुपये होगी।

नियम व शर्त :–1.जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्ससंलग्न करना होगा।3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्डर खोला जायेगा।4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थलपर करनी होगी।5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़कर प्रस्तुत की जाये।6.सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी।7.सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को २.२४प्रतिशत आयकर देना होगा।8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानों सचिवों सदस्यों बी.डी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी।10.निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा।11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **रसियावल खुर्द** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।12.आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **रसियावल खुर्द** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/–रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।14.सामग्री की आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत **रसियावल खुर्द** के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान	सचिव
माधुरी सिंह	**विनोद कुमार**
ग्रा0 पं0-रसियावल खुर्द	ग्राम पंचायत-रसियावल खुर्द
वि0 खंड-लोटन बाजार	वि0 खंड-लोटन बाजार
जनपद-सिद्धार्थनगर	जनपद-सिद्धार्थनगर

किशोरी की हत्या के मामले में प्रेमी पर केस दर्ज

देसही देवरिया। महुआडीह थानाक्षेत्र के एक गांव में गर्भवती किशोरी की गला दबाकर हुई हत्या के मामले में पुलिस ने प्रेमी पर केस दर्ज कर लिया। बेटी की हत्या का जुर्म कबूल कर चुके पिता को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। किशोरी की मां अपनी बेटी की हत्या की असली वजह प्रेमी को बताकर पुलिस पर उसे बचाने का आरोप लगा रही थी। महुआडीह क्षेत्र के एक गांव में किशोरी के गर्भवती होने की जानकारी होने के बाद परिवार में तनाव बढ़ गया था। इसी बीच मौका पाकर किशोरी के पिता ने अपने बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। शव छिपाने के लिए उसे बालू की बोरी से बांधकर छोटी गंडक नदी में फेंक दिया था। तीन दिन बाद तीन अप्रैल को शव मिलने के बाद हिरासत में लिया गया पिता पुलिस की सख्ती के आगे टूट गया। उसने जुर्म कबूल कर लिया। बताया कि उसने ही बेटी की हत्या की है। पुलिस ने केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। चार अप्रैल को ही हिरासत में लिए गए किशोरी के प्रेमी पर पुलिस ने केस दर्ज कर उसे भी जेल दिया गया। प्रेमी ने किशोरी से अपने प्रेम संबंध की बात स्वीकार कर लिया। उधर, पति के जेल भेजे जाने के बाद पत्नी, बेटी की प्रेमी को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर रही थी। पुलिस पर उसे बचाने का आरोप लगा रही थी। उसका कहना है कि बेटी की हत्या की असली वजह प्रेमी है। इस संबंध में एसओ महेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि किशोरी के प्रेमी के पर भी विवेचना के दौरान पाक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

ट्रांसफार्मर में आग लगने से मची अफरा तफरी

लार रोड। क्षेत्र के कुंडौली में दुर्गा मंदिर के पास लगे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। इससे चारों तरफ अफरा तफरी मच गई। कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड कर्मियों ने आग पर काबू पाया। दुर्गा मंदिर पर लगे 400 केवीए ट्रांसफार्मर से आधे गाांव की बिजली आपूर्ति होती है। अचानक लगी आग ने विकराल रूप ले लिया। ट्रांसफार्मर धूं–धूं कर जलने लगा। आनन फानन ग्राम प्रधान अतुल सिंह ने विद्युत आपूर्ति बंद कराई। बार–बार बिजली निगम के जेई को ग्रामीणों ने फोन किया, लेकिन जेई ने फोन नहीं रिसीव किया। जेई के फोन नहीं उठाने से लोगो ने रोष जताया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। संयोग ठीक था कि आग से जान माल का नुकसान नहीं हुआ।

निकाय चुनाव के लिए 13 जोनल व 27 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात

महराजगंज। जिला प्रशासन की ओर से निकाय चुनाव को बेहतर ढंग से संपन्न कराने के लिए कुल 13 जोनल व 27 सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती कर दी गई है। वे अपने निकाय से संबंधित निर्वाचन संबंधी कार्यों पर नजर रखेंगे। नगर पालिका परिषद महराजगंज में उप जिलाधिकारी सदर व सहायक महानिरीक्षक निबंधन एवं पालिका नौतनवां में उप जिलाधिकारी नौतनवां व उपायुक्त व्यापार कर को जोनल मजिस्ट्रेट बनाया गया है। इसी प्रकार नगर पंचायत सोनौली में अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड द्वितीय, परतावल में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, पनियरा में अधिशासी अभियंता जल निगम, घुघली में जिला विद्यालय निरीक्षक, निचलौल में उप जिलाधिकारी निचलौल, आनंदनगर में उप जिलाधिकारी फरेंदा व अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, बृजमनगंज में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट व चौक में जिला विकास अधिकारी को जोनल मजिस्ट्रेट बनाया गया है। इन्हें बनाया गया है सेक्टर मजिस्ट्रेटः पालिका महराजगंज व नौतनवां में पांच–पांच लोगों को सेक्टर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। नगर पंचायत आनंदनगर में तीन सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं नगर पंचायत सोनौली, परतावल, पनियरा, घुघली, निचलौल, बृजमनगंज व चौक में दो–दो सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।

भुगतान के बाद भी सड़क न बनने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

निचलौल। क्षेत्र के बजहा उर्फ अहिरौली गांव में बगैर सड़क का निर्माण कार्य कराए ही रकम भुगतान करने का मामला सामने आया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने गांव के मुख्य मार्ग पर जहां जिम्मेदारों के खिलाफ प्रदर्शन कर विरोध जताया, वहीं, क्षेत्र पंचायत सदस्य ने मामले की शिकायत खंड विकास अधिकारी से कर जांच कर कार्रवाई की मांग की। आक्रोशित ग्रामीण रामायण शर्मा, रियाजुद्दी अंसारी, हसमुल्लाह, सिमिरीखा, मुहर्रम, परसन गुप्ता, साकिर अली, हरेंद्र गुप्ता आदि ने कहा कि बजहा उर्फ अहिरौली और बजही गांव के सिवान में जलालुदीन के घर से मुबारक के घर तक जिम्मेदारों ने पंचायती राज विभाग से आरसीसी सड़क निर्माण के लिए फरवरी माह में ही एक फर्म के नाम से 8,80,060 रुपये का भुगतान करा लिया है। जबकि अभी तक उक्त सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों को उस सड़क से गुजरने में काफी परेशानी हो रही है। खंड विकास अधिकारी चंद्रशेखर कुशवाहा ने कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्य बबलू गौतम से मामले की जानकारी मिली है। जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन रोकने हेतु चला अभियान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देशन में सहदेव मिश्रा अपर जिलाधिकारी (वि0श्रा0) के नेतृत्व में दिनांक 08 व 09 अप्रैल, 2023 तक अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु अभियान चलाया गया। इस दौरान परिवहन व वाणिज्य कर विभाग के साथ संयुक्त अभियान लोढ़ी बैरियर से होकर आने वाले उपखनिज के अवैध परिवहन के सम्बंध मे सघन जाँच किया गया, जिसमे कुल 45 वाहनों को ओवरलोड होने के कारण एम0चेक ऐप के द्वारा ऑनलाइन चालान की कार्यवाही किया गया, जिसमें 15 वाहनों को सुकृत चौकीध लोढ़ी बैरियर के अभिरक्षा में दिया गया तथा 16 वाहन स्वामियों के द्वारा नोटिस की धनराशि को ऑनलाइन मौके पर जमा किया गया।

हंगामे की भेंट चढ़ा खुली बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

संतकबीर नगर। हंगामे की भेंट चढ़ा खुली बैठक, परिवार रजिस्टर नकल में नाम दर्ज कराने के लिए पीड़ित लगा चुकी डीएम से गुहार डीएम के निर्देश पर खुली बैठक में दिखा हंगामा मेहदावल विकास खण्ड क्षेत्र ग्राम पंचायत नौगो का मामला पीड़ित युवती के अनुसार परिवार रजिस्टर में पूर्व मे नाम दर्ज किया था, पिता की मृत्यु के कारण मैं ननिहाल में रहने लगी थी मेरे पाटिदारों द्वारा मेरी सम्पत्ति हड़पने के चक्कर में मेरा नाम परिवार रजिस्टर से हटवा दिया गया में काफी परेशान होकर। डीएम को पत्र लिखकर जांच की मांग की इसी कड़ी में पंचायत भवन पर खुली बैठक बुलाई गई जिसमें खुली बैठक के दौरान हंगामे की भेंट चढ़ गई हमारे विपक्षी हमें जान से मारने पर उतारू हो गए।

पालिका के नौ तो पंचायत के ढाई लाख खर्च कर सकेंगे अध्यक्ष प्रत्याशी

तय सीमा से अधिक धन व्यय करने पर होगी कार्रवाई

देवरिया। निर्वाचन आयोग ने निकाय चुनाव के उम्मीदवारों के खर्च की सीमा तय कर दी है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी नौ लाख रुपये खर्च कर सकेंगे। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष के उम्मीदवार के लिए व्यय सीमा ढाई लाख रुपये निर्धारित की गई है। इससे अधिक धन खर्च करने पर प्रत्याशी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

निकाय चुनाव को लेकर तैयारी धीरे–धीरे जोर पकड़ रही है। प्रशासन भी चुनाव को संपन्न कराने के लिए चौकन्ना है। चुनाव में नगर पंचायतों के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी ढाई लाख रुपये खर्च कर सकेंगे। वहीं नगर पालिका के सदस्य उम्मीदवार दो लाख रुपये खर्च कर सकेंगे, जबकि नगर पंचायत के सदस्य प्रत्याशी 50 हजार रुपये तक चुनाव में व्यय कर सकेंगे।

वहीं नाम निर्देशन पत्र के लिए नगर पालिका अध्यक्ष पद के अनारक्षित प्रत्याशी को पांच सौ रुपये व जमानत धनराशि के आठ हजार रुपये जमा करना होगा तथा आरक्षित को नाम निर्देशन पत्र के लिए 250 रुपये व जमानत राशि चार हजार रुपये देगा होगा। जबकि सदस्य के लिए अनारक्षित को नाम निर्देशन पत्र के लिए दो सौ व जमानत राशि दो हजार रुपये तथा आरक्षित को नामांकन फार्म के लिए सौ रुपये व जमानत राशि के रूप में एक हजार रुपये देना होगा।

नगर पंचायत अध्यक्ष के अनारक्षित को पांच हजार व आरक्षित प्रत्याशी को देनी होगी ढाई हजार जमानत राशि – नगर पंचायत अध्यक्ष पद के अनारक्षित प्रत्याशी को नाम निर्देशन पत्र के लिए 250 रुपये व जमानत राशि के रूप में पांच हजार रुपये जमा करना होगा, वहीं आरक्षित नामांकन पत्र के लिए 125 रुपये व जमानत राशि 2500 रुपये देना होगा। वहीं सदस्य के अनारक्षित को नाम निर्देशन पत्र के लिए सौ रुपये व जमानत राशि दो हजार तथा आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवार नामांकन पत्र के लिए 50 रुपये व एक हजार रुपये जमानत राशि जमा करना होगा।

दो नगर पालिका में हैं 58 वार्ड

जनपद में दो नगर पालिका परिषद में 58 वार्ड हैं। इसमें देवरिया नगर पालिका परिषद में 33 और गौरा बरहज नगर पालिका में 25 वार्ड हैं।

83 आपत्तियों का निस्तारण कर शासन को भेजाः देवरिया। नगर निकायों के आरक्षण को लेकर शासन की ओर से आपत्तियां मांगी गई थीं। जनपद के सभी निकायों से आई आपत्तियों का निस्तारण कर लिया गया है। आरक्षण सूत्री में बदलाव न करते हुए सूची शासन को भेज दी गई है।

प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सभी निकायों के आरक्षण की सूची जारी की थी। इसके एक सप्ताह तक दावे और आपत्तियों के लिए समय दिया गया था। इस दौरान 12 नगर निकाय से 83 आपत्तियां आई थीं। इसमें सबसे अधिक देवरिया नगर पालिका परिषद में 18 व गौरा बरहज में दो आपत्तियां आईं। जबकि नगर पंचायत सलेमपुर में 14, भटनी व बरियारपुर में 12–12, हेतिमपुर व बैतालपुर में 8–8, रुद्रपुर, लार में 3–3, रामपुर कारखाना, गौरीबाजार, मझौलीराज में एक–एक आपत्तियां आईं।

निकाय चुनाव : बिछने लगी बिसात, सभी दलों को मजबूत दावेदारों की तलाश

सभी दल तैयारी में जुटे, 17 निकायों में चुनावी सरगर्मी पकड़ रही रफ्तार

देवरिया। निकाय चुनाव को लेकर सभी दल तैयारी में जुटे हुए हैं। मजबूत प्रत्याशी की तलाश के लिए वादों से फीडबैक लिया जा रहा है। मुस्लिम और पिछड़े मतदाताओं को अपने पाले में खींचने के लिए सभासद का चुनाव लड़ने वाले मजबूत दावेदार पर दल नजर गड़ाए हुए हैं क्योंकि इसका असर अध्यक्ष पद के प्रत्याशी पर भी पड़ेगा। जनपद के नगर पालिका परिषद देवरिया, बरहज सहित 17 निकायों में चुनावी सरगर्मी धीरे–धीरे रफ्तार पकड़ रही है। सभी की निगाहें दावेदारों पर है। कुशलक्षेम पूछने के बहाने दावेदार लोगों के बीच पहुंच रहे हैं। अध्यक्ष और सभासद दोनों पद के दावेदार किसी न किसी जरिए अपना संदेश जनता के बीच पहुंचा रहे हैं, ताकि उनकी दावेदारी को मजबूती मिल सके। इसके अलावा दलों के स्तर से भी दावेदारों के बीच छंटनी का काम अंदरखाने में चल रहा है। वार्डों में कौन प्रत्याशी मजबूत रहेगा और किसके जीतने की संभावना है उसके बारे में पार्टी के पदाधिकारी फीडबैक ले रहे हैं। ताकि आने वाले समय में चुनावी वैतरणी पार किया जा सके। राजनीतिक रणनीतिकारों की बातों पर गौर किया जाए तो भाजपा इस तैयारी में है कि अधिकतर सीटों पर वह काबिज हो जाए, क्योंकि पिछले निकाय चुनाव में भाजपा को महज दो सीटें मिली थीं। मुख्य विपक्षी दल सपा भी दमदारी के साथ मैदान में उतरने का खाका तैयार कर रही है। पिछले चुनाव में सपा का बेहतर प्रदर्शन भी रहा है। वहीं पूरे जिले में बरहज नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर बसपा का कब्जा था, जिसे वह बरकरार रखने के लिए दमदार दावेदार की तलाश में है। वहीं सभी राजनीतिक दल सभासद प्रत्याशी के चयन में भी बेहद गंभीरता दिखा रहे हैं। उनका मानना है कि अगर सभासद पद का जिताऊ प्रत्याशी है तो उसका फायदा उसे मिलेगा। उसके पक्ष में पड़ने वाला वोट अध्यक्ष को भी मिलेगा।

किसान अपने उत्पाद का सही मूल्य, किसान उत्पादक संगठन में जुड़कर ले सकते हैं

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवां। नौतनवा क्षेत्र के खैराटी गांव में पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति,

शाखा–नौतनवां द्वारा मार्गदर्शित किसान उत्पादक संगठन में जुड़ने हेतु जागरूकता बैठक किया गया। जिसमे पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति, शाखा–नौतनवां के रिसोर्स पर्सन कृष्ण कुमार ने बताया कि नौतनवा क्षेत्र के किसानों ने किसान उत्पादक संगठन जिसका नाम नौतनवां फार्मर प्रोडूसर कंपनी लिमिटेड है। जिसका रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अंतिम चरण मे है।इस अवसर पर सी बी बी ओ के रूप मे कार्यरत पी जी एस एस गोरखपुर के प्रोफेशनल श्रवण कुमार ने बताया कि किसान उत्पादक संगठन यह कार्य करेगा, जिससे किसान की आय में बढ़ोतरी एवं सरकारी योजनाओं का लाभ मिले। तत्पश्चात नाबार्ड महाराजगंज के जिला विकास प्रबंधक कृष्णा कुमार ने बताया कि किसान अपने लागत में कमी लाने और उत्पादन को बेहतर मुल्य लेने के लिए एफ पी ओ बना रहे है। इस अवसर पर लीड बैंक के मैनेजर अम्रेस कुमार मौर्या ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में बताया। बैठक में पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति, शाखा–नौतनवां के सुनील कुमार किसान साबीतरी, इसरावती, लालचंद सहित अनेक महिला पुरुष किसान उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय अलीनगर खुर्द सरोजनी नगर लखनऊ में आयोजित हुआ चहक कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

लखनऊ। विद्यालय प्रांगण में कार्यक्रम सरोजनी नगर के ए.आर.पी उदय प्रताप सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में निपुण कक्षा प्रभारी शिक्षिका नसीम सेहर, प्रधानाध्यापिका आभा रानी शुक्ला, शिक्षक प्रतिनिधि रीना त्रिपाठी ,सरिता यादव सहित कई अभिभावक उपस्थित रहे। कक्षा एक के नवीन नामांकित बच्चों के अभिभावकों को शामिल किया गया। कार्यक्रम के तहत अभिभावकों के सामने बच्चों द्वारा कविता पाठ, कहानी सुनाना, रोल प्ले आदि का प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा खेल, विज्ञान से संबंधित गतिविधियां और एक से दस की संख्या से संबंधित विभिन्न पैटर्न की पहचान बच्चों के द्वारा की गई। अपने द्वारा रंगों से बनाए गए छोटे–छोटे चित्र बच्चों ने दिखाए। नई पहल, श्चहक–चिल्ड्रन हैप्पीनेस इन एंबियंस एंड एक्वायरिंग नॉलेजश् एक तरह की अभिभावक–शिक्षक बैठक आहूत की गई, जिसमें माता–पिता को शिक्षिका नसीम सेहर द्वारा स्कूल में अपने बच्चे द्वारा की गई प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। बच्चे नहीं बड़े ही उत्साह से अपने अभिभावकों के सामने वाक्य पढ़कर सुनाएं और गणित के जोड़ घटाने के सवाल करके दिखाए व अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। उत्साहवर्धन के लिए बच्चों को ए आर पी उदय प्रताप सिंह द्वारा कलर भेंट किए गए। उपस्थित सभी अभिभावकों ने बहुत ही रुचि से कार्यक्रम में प्रतिभाग किया और बच्चों की गतिविधियां देख कर खुश हुए। यह कार्यक्रम देखकर यही कहा जा सकता है कि....चहकेगा बाल मन तभी चहकेगा विद्यालय का प्रांगण।

उप जिलाधिकारी सदर ने होर्डिंग एवं बैनरों को हटाने की कार्रवाई की

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गौतमबुद्धनगर। जनपद में नगर निकाय चुनाव को राज्य निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में जिला प्रशासन एक्टिव आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्र में होर्डिंग व बैनर हटाए जाने की कार्रवाई की जा रही सुनिश्चित उप जिलाधिकारी सदर एवं एसीपी पुलिस ने नगर पंचायत दनकौर में एनफोर्समेंट कार्यवाही का किया स्थलीय निरीक्षण उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप एवं जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद में नगर निकाय चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आदर्श आचार संहिता लगने के बाद से जिला प्रशासन के अधिकारी गण नगर पालिका एवं नगर पंचायत क्षेत्र में लगे होर्डिंग एवं बैनरों को हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं। इसी क्रम में आज उप जिलाधिकारी सदर अंकित कुमार एवं एसीपी पुलिस नगर पंचायत दनकौर में पहुंचकर एनफोर्समेंट की कार्रवाई का स्थलीय निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप जनपद में निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण ढंग से नगर निकाय चुनाव को संपन्न कराया जा सके।

प्रशासन की देखरेख में क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

खजनी,गोरखपुर। विकासखंड खजनी के क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक

विकासखंड परिसर में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख खजनी अंशु सिंह ने किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपने प्रस्ताव व अपने क्षेत्र से संबंधित समस्याओं पर चर्चा किया, ज्ञातव्य हो पिछले महीने की बैठक में कुछ अराजक तत्वों द्वारा भद्दी गालियां एवं असलहा का प्रदर्शन किया गया था। जिसके कारण बैठक को स्थगित कर दिया गया था। आज उसी के क्रम में आज विकासखंड परिसर में बैठक भारी पुलिस बल की मौजूदगी में संपन्न हुई जिसकी देखरेख स्वयं क्षेत्राधिकारी खजनी के नेतृत्व में प्रत्येक व्यक्ति का आई कार्ड चेक करने के बाद ही विकास परिसर में आने की अनुमति दिया जाता था। कोई भी अराजक तत्व माहौल ना बिगड़ने पाए जिसके कारण खजनी सर्किल की पूरी पुलिस मुस्तैद थी। बैठक सकुशल संपन्न हुआ बैठक में खंड विकास अधिकारी कार्तिकेय मिश्रा, थानाध्यक्ष खजनी सुबोध कुमार, थानाध्यक्ष सिकरीगंज मनीष कुमार यादव, थानाध्यक्ष हरपुर बुदहट संदीप यादव व विकासखंड खजनी के कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद थे।

विराट रुद्र महायज्ञ के लिए बनाया जा रहा यज्ञ मंडप, अंतिम रूप देने में जुटे कारीगर

22 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा यज्ञ, अंतिम दिन होगी निर्धन कन्याओं की शादी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। आदि शंकराचार्य आश्रम झूलेलाल वाटिका लखनऊ में आगामी 22 अप्रैल से आयोजित विराट रुद्र महायज्ञ, वटुकों का उपनयन संस्कार एवं गरीब निर्धन कन्याओं की शादी के लिए यज्ञ मंडप बनाया जा रहा है। जिसे अंतिम रूप देने में कारीगर जुट गए हैं। इसके निमित्त रविवार को यज्ञ स्थल पर कुंड ध्वज पूजन किया गया। यज्ञ कार्यक्रम के संयोजक सोनभद्र के भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने यज्ञ की वैज्ञानिक प्रमाणीकरण के लिए भारत सरकार की प्रयोगशालाओं को निर्देशित करने के लिए निवेदन के साथ प्रधानमंत्री जी को पत्रक भेजा है। बता दें कि विराट रुद्र महायज्ञ, वटुकों का उपनयन संस्कार एवं गरीब निर्धन कन्याओं की शादी का कार्यक्रम आदि शंकराचार्य आश्रम झूलेलाल वाटिका लखनऊ में गोमती नदी तट पर आगामी 22 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए यज्ञ मंडप बनाया जा रहा है। जिसे अंतिम रूप देने में कारीगर जुट गए हैं। इसके अलावा यज्ञ पांडाल परिसर को चारों तरफ से घेराबंदी भी की जानी है, ताकि कोई बाधा न पहुंचाए। जंगली बाबा ने बताया कि यज्ञ कार्यक्रम के मुख्य यजमान एडवोकेट हाईकोर्ट लखनऊ हिमांशु शेखर जी ने यज्ञ के निमित्त कुंड ध्वज पूजन किया। इसके अलावा यज्ञ कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक कर यज्ञ समिति से जुड़े लोगों को जिम्मेदारी दी गई। यज्ञ की वैज्ञानिक प्रमाणीकरण के लिए भारत सरकार की प्रयोगशालाओं को निर्देशित करने के लिए निवेदन के साथ प्रधानमंत्री जी को पत्रक जंगली बाबा के साथ ही एडवोकेट हिमांशु शेखर, डॉक्टर प्रवीण एवं अजय अवस्थी ने भेजा है। सहयोग के लिए मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय को भी पत्रक की प्रति भेजा है। इस मौके पर एसबी सिंह प्रहरी ने यज्ञ के लिए दान स्वरूप एक लाख इक्यावन हजार रूपये देने की घोषणा की। समिति के सदस्यों ने प्रबुद्ध लोगों से भी यज्ञ को सफल बनाने के लिए दान देने की अपील की है। उक्त मौके पर अजय अवस्थी, देवेंद्र रॉय, विनोद सिंह, एसबी सिंह प्रहरी, संजय अग्रहरि, संगीता जायसवाल, राज निगम, राजेश अग्रवाल, डाक्टर कल्पना सिंह, आलोक पांडेय, अरविंदर पाल, नर्मदा माई, विकास कुमार शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ताओ के समर्थन में प्रदर्शन कर महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष रामचंद्र सिंह एड व महामंत्री एड विमल प्रसाद सिंह, एड पवन कुमार सिंह,एड अतुल प्रताप पटेल, एड महेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ता जिंदाबाद के नारे लगाते हुए उप जिलाधिकारी रावटसगंज सोनभद्र को कानपुर बार एसोसिएशन के समर्थन में एक ज्ञापन–पत्र महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन पत्र सौंपा इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री अतुल प्रताप पटेल एडवोकेट ने कहा जनपद कानपुर के अधिवक्ता एवं बार एसोसिएशन द्वारा जनपद के न्यायिक प्रक्रिया को सुचारू रूप से ना चलाने वाले पीठासीन अधिकारियों के विरुद्ध हड़ताल किए हुए हैं और मांग कर रहे हैं कि ऐसे पीठासीन अधिकारी को हटाया जाए जिसके लिए एसोसियेशन द्वारा लगातार हड़ताल जारी है जिस पर माननीय उच्च न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए वहां के अधिवक्ताओं की बात को नहीं मानते हुए बल्कि पहले हड़ताल समाप्त करने की बात किए हुए जिस पर कानपुर के अधिवक्ता समाज द्वारा संपूर्ण उत्तर प्रदेश के सभी जनपदो से समर्थन मांगा गया है उसी क्रम में आज डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा कानपुर के अधिवक्ताओं के समर्थन में ज्ञापन पत्र माननीय जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को सौंपा है तथा मांग किया है कि जनपद कानपुर के अधिवक्ताओं की बात को मांगते हुए माना जाए तथा वहां के अधिवक्ताओं के विरुद्ध जो उत्पीड़न की कार्रवाई है उसको समाप्त किया जाए जिससे अधिवक्ता न्यायिक कार्य को सुचारू रूप से कर सके। एड पवन कुमार सिंह पूर्व उपाध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र ने कहा कि कानपुर बार एसोसिएशन मामला जिले के हर बार एसोसिएशन में जाना है और अगर हम अभी एकजुट नहीं हुए तो आने वाले समय में जब अधिवक्ताओं की अस्मिता खतरे में पड़ेगी और और अधिवक्ताओं के अस्तित्व की लड़ाई मे अधिवक्ता अगर साथ नहीं देगा तो धीरे–धीरे न न्यायालयों द्वारा बार एसोसिएशन को दबाया जाएगा। हम लोग हड़ताल के समर्थक नहीं है लेकिन जब लड़ाई आपके हक व अस्तित्व की हो तो उससे हम पीछे भी नहीं रहेंगे। इस अवसर पर सुरेश सिंह कुशवाहा एड, अतुल कनौजिया एड, महेंद्र प्रताप सिंह एड, अभिषेक कुमार सिंह एड, कमलेश सिंह एड, विश्राम सिंह एड, विमल प्रसाद सिंह एड, शाहनवाज खान एड, प्रदीप कुमार एड, अनिल कुमार सिंह एड आदि लोग मौजूद थे।

तीन सगे भाइयों को 10–10 वर्ष की कैद

12–12 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 6–6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। 8 वर्ष पूर्व पशुओं के छप्पर में आग लगाने के मामले में सोमवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम खलीकुज्जमा की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी तीन सगे भाइयों रामनिहोर यादव, महेंद्र यादव व गम्मू यादव को 10–10 वर्ष की कैद व 12–12 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6–6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाना क्षेत्र के पनारी टोला करमसार गांव निवासी रामसूरत यादव पुत्र रामजग यादव ने थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 21ध्22 फरवरी 2015 को रात्रि साढ़े 12 बजे पड़ोस के रामानिहोर यादव, महेंद्र यादव, गम्मु यादव व प्रदीप यादव ने पशुओं के छाया के लिए बने छप्पर में आग लगा दी। जिससे एक भैंस की जलकर मौत हो गई। जबकि 11 अन्य भैंस व एक बैल जलने से घायल हो गया। बार–बार इस घटना के बाबत अभियुक्तगणों द्वारा धमकी दी जा रही है। इस तहरीर पर 22 फरवरी 2015 को एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने ओबरा थाना क्षेत्र के करमसार पनारी गांव निवासी तीन सगे भाइयों व रामानिहोर यादव, महेंद्र यादव, गम्मू यादव व प्रदीप यादव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। इस मामले में नाबालिग प्रदीप यादव की पत्रावली किशोर न्याय बोर्ड प्रेषित कर दी गई। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी तीन सगे भाइयों रामनिहोर यादव, महेंद्र यादव व गम्मू यादव को 10–10 वर्ष की कैद व 12–12 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6–6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर जिला शासकीय अधिवक्ता कुंवर वीर प्रताप सिंह ने बहस की।

भाजपा काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष का आगमन आज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलिप पटेल जी का एक दिवसीय दौरा–11 अप्रैल को सुबह 11 बजे जनपद मे हो रहा है। क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित महात्मा ज्योतिबा फुले के जयन्ती पर संगोष्ठी मे भाग लेंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष बनने के बाद जनपद में प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। इस आशय की जानकारी भाजपा जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी ने दी।

हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान से मिले योग ज्ञान– अशोक कुमार सिंह

राबर्टसगंज के एलबी, आईटीआई धर्मशाला में हुआ तीन दिवसीय शिविर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। श्री रामचंद्र मिशन एवं हार्टफूलनेस इंस्टीट्यूट के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय की पहल पर हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान से मिले योग ज्ञान के तहत तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन दिनांक 8 अप्रैल 2023 से पंडित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के प्रशिक्षणार्थियों के लिए एलबी आईटीआई, धर्मशाला, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र में किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्राणायाम, मुद्रा विज्ञान, ब्राइटर माइंड्स, पोलारिटी व प्राणाहुति सहित ध्यान कराया गया और 23 मार्च, 2023 को पद्म भूषण अवार्ड से पुरस्कृत कमलेश डी पटेल, जिन्हे प्रेम से दाजी, कहा जाता है, द्वारा लिखित पुस्तक 'द विज्डम ब्रिज' के बारे में जानकारी दी गई। प्राणायाम एवं मुद्रा विज्ञान के बारे में अशोक कुमार सिंह द्वारा सविस्तार जानकारी दी गई तथा उन्हें प्राणायाम एवं मुद्रा कराया गया। कॉन्वेंट स्कूल राबर्ट्सगंज के छात्र शाश्वत श्रीवास्तव द्वारा ब्राइटर माइंड्स का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया तथा पुष्पा जायसवाल जी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को पोलैरिटी कराया गया। इस कार्यक्रम में हार्टफुलनेस ट्रेनर बहन मुदिता श्रीवास्तव एवम वालंटियर्स कंचन लता, ज्योति, अचला, आंचल, उपस्थित थे।

03 वैवाहिक जोड़ों की हुई काउंसलिंग, पति–पत्नी साथ में रहने के लिये हुए राजी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जनपद में "मिशन शक्ति" नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में 09. अप्रैल को महिला थाना रॉबर्ट्सगंज पर आयोजित परामर्श केन्द्र में थानाध्यक्ष महिला थाना सरोजमा सिंह मय टीम द्वारा महिला थाना रॉबर्ट्सगंज में पति–पत्नी के बीच चल रहे विवाद के संम्बंध में 03 जोड़ा पति–पत्नी की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें सुलझाया गया जिससे पति–पत्नी राजी–खुशी से आपस में एक साथ रहने के लिए सहमत होकर घर गए। इसके अतिरिक्त 02 अन्य प्रकरण में पति–पत्नी को निश्चित तिथि देते हुए उन्हें काउंसलिंग हेतु बुलाया गया। काउंसलिंग के दौरान महिला थानाध्यक्ष द्वारा परामर्श केन्द्र में आये दम्पतियों की पारिवारिक सम्बंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति–पत्नी को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह–समझौता कराते हुए साथ में रहने हेतु प्रेरित किया गया जिससे दोनों जोड़े हंसी–खुशी साथ मे रहने हेतु तैयार हो गये जिसपर पुलिस द्वारा उन्हें उनके आगामी जीवन की शुभकामनाएं दी गई।

05 किलो 720 ग्राम नाजायज गांजा के साथ अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह के कुशल निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे 9 अप्रैल को थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा अभियुक्त सूरज प्रजापति पुत्र लल्लू प्रसाद, निवासी–परसौधा, थाना चुनार, जनपद मिर्जापुर उम्र लगभग 25 वर्ष के कब्जे से 05 किलो 720 ग्राम गांजा बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त गिरफ्तारीध्बरामदगी के सम्बन्ध मे थाना हाथीनाला पर मु0अ0सं0–09/2023 धारा 8/20 **NDPS** ।बज का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की गयी।

170 किलो मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 20 लाख रुपये के साथ किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक, डॉ0 यशवीर सिंह जनपद सोनभद्र के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस व स्वाटध्एसओजी व सर्विलांस टीम सोनभद्र के अथक प्रयास से कुटरचिन नम्बर प्लेट न्च67ग्9091 लगी मारुती ब्रेजा कार व न्च65ब्1012 लगी टाटा योद्धा पीकप से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अन्तरजनपदीय गैंग के 05 अभियुक्तों को 170 किलोग्राम (01 कुन्तल 70 किलो) मादक पदार्थ गांजा (कीमत लगभग 20 लाख रुपये) के साथ गिरफ्तार किया गया तथा गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना रॉबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0 187ध्2023 धारा 8ध्20 छक्वै ।बज व धारा 420, 467, 468, 471 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धनुष टूटते ही श्रीराम को सीता ने पहनाई जयमाला

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। सदर ब्लॉक के बेठिगांव निस्फ गांव में रविवार को धनुषयज्ञ लीला का मंचन हुआ। रामलीला का शुभारंभ सदर विधायक भूपेश चौबे व पुर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा ने सहअतिथियों के साथ श्रीरामदरबार की आरती एवं फीता काटकर किया। रामलीला में सीता स्वयंबर की झांकी सजाई गई। सीता के स्वयंबर में एक से बढ़कर एक राजा शामिल हुए, मगर भगवान शिव के धनुष को नहीं उठा पाए। अंत में राजा जनक के अनुचित वाणी कहने पर लक्ष्मण क्रोशित हो गए। इसके बाद विश्वामित्र के आदेश पर भगवान श्रीराम ने शिव धनुष तोड़कर राजा जनक की शंका को दूर किया। शिव धनुष टूटते ही माता जानकी ने भगवान श्रीराम को जयमाला पहनाई। इस दौरान जयश्रीराम के नारों से पंडाल गूंज उठा। मंच व्यास की भूमिका रमेश मिश्रा ने निभाई। इस मौके पर सुरेश शुक्ला संतोष शुक्ला विकास मिश्रा कलपेश्वर तिवारी, उमेश मिश्रा, शशिकांत, मुकेश, हरिओम, अनूप तिवारी, विजय मिश्र, प्रदीप कुमार आदि शामिल रहे।

निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सम्पूर्ण समाधान दिवस का नहीं किया जायेगा आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग की अधिसूचना, 2023, दिनांक 09 अप्रैल, 2023 निर्गत किये जाने के साथ ही जनपद में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष तथा नगर पंचायतों के अध्यक्षों तथा सदस्यों के पदों की निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है, निर्वाचन प्रक्रिया की समयबद्धता व शीर्ष प्राथमिकता के दृष्टिगत रखते जनपद में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक नहीं किया जायेगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

बुद्ध का संदेश

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक

स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक

राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917,9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

चेहरे को गजब का निखार देगा एंटीऑक्सिडेंट तत्वों से भरपूर अनार, इस्तेमाल करें इससे बने ये 8 फेस पैक

फल सिर्फ स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। कई फलों का इस्तेमाल फेस पैक के तौर पर किया जाता हैं। इन्हीं में से एक फल हैं अनार जो विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होने के कारण चेहरे को गजब का निखार देने में मदद करता हैं। स्किन में अनार के नियमित इस्तेमाल से आप मुलायम और ग्लोइंग स्किन पा सकते हैं। आज इस कड़ी में हम आपको अनार से बने कुछ फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके इस्तेमाल से स्किन पर होने वाले दाग, धब्बों, झुर्रियों, मुहांसों और हाइपरपिग्मेंटेशन से छुटकारा पाया जा सकता हैं। आइये जानते हैं इन फेस पैक के बारे में...

अनार और दही का फेस पैक

यह स्किन को टोन करने के लिए बेहद लाभदायक होता है। साथ ही ये स्किन में नमी को लॉक कर देता है, जिससे त्वचा ग्लो करने लगती है। दही और अनार का फेस पैक बनाने के लिए आपको सबसे पहले 1 चम्मच दही को 3 चम्मच अनार के जूस में मिक्स करना होगा। इसके बाद इन दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। ऐसा करने के बाद इसे एक अपने चेहरे पर लगा लें। करीब 15 से 20 मिनट बाद आप इसे अपने चेहरे से साफ कर लें। इसके लिए आप कॉटन की मदद लें। ऐसा हफ्ते में आप कम से कम 2 से 3 बार तक कर सकती हैं। लगातार इसका इस्तेमाल करने से आपका चेहरा खिला–खिला दिखाई देने लगेगा।

अनार और ग्रीन टी का फेस पैक

पिंपल्स और मुहांसों से राहत पाने के लिए अनार के दानों को ग्राइंड करके उसमें दो चम्मच दही एक बड़ा चम्मच शहद और ग्रीन टी का एक छोटा पैकेट मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। सभी इंग्रेडिएंट्स का पेस्ट बनाकर चेहरे पर कम से कम 30 मिनट के लिए अप्लाई कर लें और बाद में 5 से 10 मिनट मसाज करके ठंडे पानी से चेहरा साफ कर लें।

अनार और शहद का फेस पैक

अनार और शहद दोनों ही चेहरे पर ग्लो लाने का काम करते हैं। यह फेस पैक त्वचा में क्लींसर का काम करता है और चेहरे पर मौजूद पोर्स को साफ करने के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस फेस पैक को चेहरे पर लगाने के लिए सबसे पहले आप 1 चम्मच शहद और 3 चम्मच अनार का जूस एक बाउल में लेना होगा। ऐसा करने के बाद आपको इन दोनों को अच्छी तरह से मिक्स करना होगा। मिक्स करने के बाद आप इस पैक को अपने चेहरे पर लगा लें। कम से कम 20 मिनट के बाद आप इस फेस पैक को कॉटन की मदद से साफ कर लें। ऐसा करने के बाद आप अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें ताकि शहद और अनार का चिपचिपा पन निकल जाएं। इस फेस पैक का इस्तेमाल आप हफ्ते में करीब 2 बार कर सकती हैं।

अनार और ओटमील का फेस पैक

ओटमील में एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं इसके अलावा यह एक बेहतरीन स्क्रब की तरह भी कार्य करता है। इसका फेस पैक बनाने के लिए अनार को छील कर इसके दाने निकाल लीजिये। अब इन दानो को पीस कर पेस्ट बना लजिए और इसमें ओटमील पाउडर को मिक्स कर लीजिये। आप चाहें तो इसमें एक चम्मच शहद भी मिला सकते हैं। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं और 30 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लीजिये।

अनार और कोको पाउडर का फेस पैक

अनार और कोको पाउडर दोनों में एंटी एजिंग प्रॉपर्टीज मौजूद होती है जिनका इस्तेमाल करने से स्किन टाइट और जवां रहती है। अनार के दानों का स्मूद पेस्ट बनाकर उसमें कोको पाउडर को पानी से मिक्स कर लें। इस फेस मास्क को चेहरे पर लगाकर छोड़ दें और सूखने के बाद ठंडे पानी से साफ करें।

अनार और नींबू का फेस पैक

ऑयली स्किन वालों के लिए मुंहासे की समस्या आए दिन होती रहती है। ऐसे में अनार और नींबू का रस दोनों ही फायदेमंद है। यह न सिर्फ मुंहासे की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं बल्कि दाग, निशान से निजात दिलाने में मदद करेंगा। इसके लिए लिए नींबू और अनार का रस बराबर मात्रा में मिला लें और इस मिश्रण को अपनी त्वचा पर 15 से 20 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। समय पूरा होने पर ठंडे पानी से साफ कर लें। अनार में एंटीऑक्सीडेंट के गुण होते हैं जो न सिर्फ रोमछिद्रों खोल देते हैं बल्कि त्वचा को अंदर से साफ करते हैं। हेल्दी त्वचा पाने के लिए अनार के फेस मास्क के साथ इसे अपनी डाइट में भी शामिल करें।

अनार और बेसन का फेस पैक

अगर आपकी स्किन रुखी और बेजान है तो आप अनार के छिलके से बने फेसपैक के साथ समस्या से राहत पा सकते हैं। अनार के छिलके और बेसन से तैयार फेसपैक आप त्वचा पर लगा सकते हैं। सबसे पहले आप 2 कप अनार के छिलकों को पीस लें। इसके बाद इसमें 1 चम्मच बेसन और 2 चम्मच मलाई मिलाएं। दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद पेस्ट को करीबन 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। तय समय के बाद स्किन को सादे पानी से धो लें।

अनार और एलोवेरा का फेस पैक

अनार और एलोवेरा के कॉम्बिनेशन से बना फेस पैक त्वचा के लिहाज से फायदेमंद रहता है। अनार में एंटी–एजिंग गुण होते हैं और एलोवेरा पोषण से भरपूर होता है। दोनों का प्रयोग करके बनाये जाने वाला फेस पैक त्वचा को फिर से जवां बनाने वाला और हाइड्रेड करने वाला होता है। इसे बनाने के लिए अनार के दाने और एलोवरा जेल को एक साथ ब्लेंड करें। तैयार पेस्ट को अपने चेहरे पर लगा कर 30 मिनट तक इंतजार करें और फिर चेहरे को पानी से धो लें।

रिवीलिंग ड्रेस में मौनी रॉय ने दिखाई सेक्सी अदाएं, हुस्न से ढा दी ऐसी कयामत देखते रह गए लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस ना सिर्फ अपने एक्टिंग स्किल्स बल्कि अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं। बता दें कि बीती रात एक श्स्टाइल आइकन अवॉर्ड शो में एक्ट्रेस ने शिरकती की थी। जहां उनका हॉट लुक्स फैंस के बीच छा गया था। टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी हॉटनेस से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय को श्स्टाइल आइकन अवॉर्ड शो में स्पॉट किया था जिसमें वो बेहद ही शानदार लग रहीं थीं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बेहद ही यूनिक लुक को चुना था। बता दें कि मौनी रॉय ने फेमस डिजाइनर डॉली जे के कलेक्शन से पिंक और सिल्वर कलर का ब्राइडल कॉलम गाउन केरी किया था। अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में मौनी रॉय बेहद ही स्टनिंग और हॉट लग रही थीं कि उनसे नजरें तक हटा पाना मुश्किल हो गया था। ओपन स्ट्रेट हेयर और न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस मौनी रॉय खुद को खूबसूरत और ग्लैमरस प्रेजेंट करने का एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने अफने इस लुक से भी एक बार फिर फैंस के छक्के छुड़ा दिए हैं। बता दें मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

वजन ज्यादा होने की वजह से कई प्रॉजेक्ट्स से धोना पड़ा हाथ:नंदिनी शर्मा

शो फालतू में रिया का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस नंदिनी शर्मा ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने शुरूआती दिनों को याद किया और बताया कि कैसे उन्हें अधिक वजन के कारण रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपने वजन के कारण साउथ प्रोजेक्ट में लीड रोल का ऑफर गंवाने के बारे में बताया।

उन्होंने कहारू स्ट्रगल एक एक्टर के जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन जब रिजेक्शन से डील करने की बात आती है, तो यह बिल्कुल भी आसान नहीं होता है। मैं ऐसा इसलिए कह सकती हूं, क्योंकि मैंने अपने वजन के कारण कई प्रोजेक्ट खोए हैं और उस चीज ने मुझे बहुत डिमोटिवेट किया। कई बार तो मुझे ऑडिशन देने से पहले ही रिजेक्ट कर दिया जाता था। मुझे याद है कि मैं साउथ के एक बड़े प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड थी, लेकिन मुझे लीड रोल के लिए मना कर दिया गया, वजह मेरा वजन था।

नंदिनी, जिन्होंने वेब सीरीज– जांबाज हिंदुस्तान के में भी काम किया है, ने कहा कि वजन के चलते मिल रहे रिजेक्शन का उन पर काफी बुरा असर पड़ा था।

उन्होंने कहा, रिजेक्शन वास्तव में मुझे निराश करता था। मैं वजन कम करती रहती हूं, लेकिन इसमें फिट होना एक मुश्किल जर्नी है। धीरे–धीरे, मैंने रिजेक्शन से डील करना सीख लिया, लेकिन कभी भी ऑडिशन देना बंद नहीं किया क्योंकि मुझे एक्ट्रेस बनने का शौक था। आज भी मैं अपनी डाइट पर कंट्रोल करती हूं और हर दिन वर्कआउट करती हूं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अभिनेताओं को उनके लुक्स या वजन के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए।

मुझे लगता है कि यह सही समय है कि एक्टर्स को सुंदरता के विभिन्न मानकों पर नहीं आंका जाना चाहिए। इस तरह के रिजेक्शन एक व्यक्ति को बहुत अधिक प्रभावित करते हैं।

सामंथा और विजय देवरकोंडा की कुशी 1 सितंबर को सिनेमाघरों में देगी दस्तक, नया पोस्टर जारी

दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपनी आगामी फिल्म कुशी को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह विजय

देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। अब फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आई है। निर्माताओं ने ऐलान किया कि फिल्म कुशी 1 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही निर्माताओं ने कुशी का पोस्टर साझा किया है, जिसे देख सामंथा और विजय के प्रशंसकों का उत्साह बढ़ गया है। सामंथा ने कुछ दिन पहले कुशी की शूटिंग शुरू की है और जल्द ही दर्शकों को पर्दे पर सामंथा और विजय की जोड़ी देखने को मिलेगी। कुशी एक पैन इंडिया फिल्म है। ऐसे में यह फिल्म हिंदी सहित तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। सामंथा की पेशेवर जिंदगी की बात करें तो वह आने वाले दिनों में वह कुशी के साथ–साथ सिटाडेल, चेन्नई स्टोरी, प्रोडक्शन 30 और शाकुंतलम में नजर आएंगी।

बेहतर पाचन के लिए जरूरी है सही तरीके से पानी पीना

पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से भोजन को पचाने और पोषक तत्वों के अवशोषण में सहायता मिलती है, जिससे बेहतर पाचन की सुविधा मिलती है. शरीर के हाइड्रेट रखने के लिए भी पानी पीना जरूरी है. वहीं, पानी के बिना कब्ज से लेकर पेट फूलने तक कई तरह की पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. जबकि हाइड्रेशन पाचन के लिए महत्वपूर्ण है, गलत तरीके से पानी पीने से पेट की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं. सही मात्रा में भोजन के साथ पानी पीने से पाचन में मदद मिल सकती है, लेकिन भोजन के साथ अधिक मात्रा में सेवन करने से समस्या हो सकती है.

पानी के अलावा, रसीले फल, सब्जियां, दही, छाछ, जूस जैसे कई प्रकार के हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ हैं जो निर्जलीकरण (स्रद्गद्ध4स्रह्म्ड्डह्लद्बशठ्ठ) को रोकने में मदद कर सकते हैं. अच्छे स्वास्थ्य और सेहत को बनाए रखने के लिए हाइड्रेशन महत्वपूर्ण है. यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करने, जोड़ों को चिकनाई देने, पोषक तत्वों के परिवहन और शरीर से अपशिष्ट को हटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. इसके अतिरिक्त, पर्याप्त पानी पीने से स्वस्थ पाचन में मदद मिल सकती है. पाचन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा आपका शरीर भोजन को उसके घटक भागों में तोड़ता है, जिसे बाद में शरीर द्वारा अवशोषित और उपयोग किया जा सकता है. जब आप खाते हैं, तो आपका शरीर पाचन एंजाइमों और अन्य तरल पदार्थों को गुप्त करता है जो भोजन को पचाने और पाचन तंत्र के माध्यम से इसे स्थानांतरित करने में मदद करते हैं. हालांकि, यदि आप ठीक से हाइड्रेटेड नहीं हैं, तो आपका शरीर भोजन को प्रभावी ढंग से पचाने के लिए पर्याप्त पाचन तरल पदार्थ का उत्पादन नहीं कर पाता है. इससे कब्ज, सूजन और पेट दर्द सहित पाचन संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं.

तरबूज, स्ट्रॉबेरी, संतरा, और अंगूर जैसे पानी से भरपूर फलों का सेवन न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि पानी, विटामिन और फाइबर से भी भरपूर होता है, इन्हें अपने आहार में शामिल करने से आपको नियमितता को बढ़ावा देने और स्वस्थ रहने के साथ–साथ हाइड्रेटेड रहने में मदद मिल सकती है. इसलिए, यदि आप स्वस्थ पाचन में सहायता करना चाहते हैं, तो पानी पीने को लेकर इन 3 बातों का खास ख्याल रखें.

पानी को चबाएं नहीं

आपका शरीर एक समय में सीमित मात्रा में ही पानी को प्रोसेस कर सकता है. इसलिए, यदि आप एक साथ ढेर सारा पानी पी रहे हैं, तो आपका शरीर भी पानी को अवशोषित नहीं कर पाएगा.

भोजन के साथ ज्यादा पानी न पियें

भोजन के दौरान ढेर सारा पानी पीने से आपके पेट का एसिड पतला हो सकता है जो पाचन के लिए बहुत जरूरी है. इसलिए, खाने से 30 मिनट पहले और 30 मिनट बाद तक पानी को सीमित मात्रा में पीने की कोशिश करें.

पानी में समुद्री नमक मिलाएं

समुद्री नमक में इलेक्ट्रोलाइट्स सहित दर्जनों खनिज होते हैं जो आपको पीने वाले पानी को बेहतर ढंग से अवशोषित करने और उसका उपयोग करने में मदद करते हैं.